पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 29 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान उच्चायोग में केक ले जाता दिखा कर्मचारी, पत्रकारों के सवालों पर कर्मचारी ने साधी चुप्पी

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पहलगाम में आतंकी हमला के बीच दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात एक कर्मचारी केक लेकर अंदर जा रहा था। मीडिया ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन उसने कुछ नहीं बोला कि आखिर किस खुशी में ये केक अंदर लेकर जा रहे हो। पाकिस्तान दूतावास में केक लेकर जाने को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान खुश है। सच्चाई चाहे जो भी हो लेकिन पाकिस्तान कर्मचारी का जवाब न देना कई सवाल खड़े करता है। भारत-पाकिस्तान संबंध का असर दिखने लगा है। दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास की सुरक्षा भी कम कर दी गई है। अभी पाकिस्तानी दूतावास के बाहर सन्नाटा छाया हुआ है। कोई सुरक्षाकर्मी नजर नहीं आ रहा है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार शाम को कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में यह बताया गया कि इस हमले के पीछे सीमा पार की साजिशें हैं। यह हमला उस समय हुआ, जब केंद्रशासित प्रदेश में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न हुए थे और क्षेत्र आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है। हमले की गंभीरता को देखते हुए सीसीएस ने कई कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया और पाकिस्तान को साफ संदेश दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ना होगा। वहीं, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को 'अवांछित व्यक्ति' घोषित किया गया है। उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ना होगा। इसी तरह भारत भी इस्लामाबाद में स्थित अपने सैन्य सलाहकारों और पांच सहायक कर्मचारियों को वापस बुलाएगा। दोनों देशों के उच्चायोगों की कुल कर्मचारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 1 मई तक प्रभावी किया जाएगा।

खसरा-रूबेला के खिलाफ देशव्यापी अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली/ भव्य खबर । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को शून्य खसरा-रूबेला अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया और इसकी आईईसी सामग्री जारी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि जनवरी से मार्च 2025 तक देश के 322 जिलों में खसरे का और 487 जिलों में रूबेला का भी कोई मामला नहीं आया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल खसरे और रूबेला के खिलाफ ट-ीकाकरण अभियान नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों बच्चों के जीवन की गुणवाा में सुधार लाने का एक तरीका है। उन्होंने निगरानी के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को देश में खसरे और रूबेला के प्रत्येक मामले की निगरानी कर चाहिए और एक भी मामला अनदेखा नहीं रहना चाहिए। नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को खसरे और रूबेला के खिलाफ देश में किए गए काम के लिए चैंपियन का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने राज्य मंत्रियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से सार्वजनिक और प्रेस बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया, जहां सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से लोगों को टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने राज्यों से खसरा और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी विधायकों, सांसदों, स्थानीय और पंचायत प्रमुखों की भागीदारी का भी आह्वान किया।

पहलगाम हमले के बीच भारत ने छोड़ी मिसाइल, हिल गया पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली/ भव्य खबर। एक तरफ घाटी में गोलियों की आवाज गूंजी। पहलगाम में कायराना आतंकी हमले से देश गम और गुस्से में डूबा था। दूसरी तरफ अरब सागर आईएनएस सूरत की दहाड़ से गूंज उठा। भारत ने फिर दुनिया को दिखाया कि हम केवल सहते नहीं बल्कि जवाब देना भी जानते हैं। दरअसल, ये भारत की सबसे स्वदेशी और आधुनिक युद्धपोत आईएनएस सूरत है। भारतीय नौसेना का ये शेर दुश्मनों के लिए चेतावनी बन चुका है। भारतीय नौसेना ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस सूरत ने समुद्र की सतह पर उड़ रहे एक तेज, कम उड़ान वाले मिसाइल लक्ष्य को सफलतापूर्वक रोका और नष्ट कर दिया। सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह परीक्षण जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद किया गया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और इसे पाकिस्तान के लिए एक सत संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी आईएसआई और सेना ने कथित तौर पर नरसंहार की साजिश रची थी। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब पाकिस्तान ने 24 और 25 अप्रैल के बीच अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर कराची तट से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण करने की योजना का संकेत देते हुए एक समुद्री सलाह जारी की है। परीक्षण लॉन्च का एक वीडियो साझा करते हुए, भारतीय नौसेना ने कहा कि नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ढ्ढह्र- सूरत ने समुद्र की सतह पर लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक सहकारी हमला किया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया,

मिलेगी कल्पना से भी बड़ी सजा : मोदी

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव

प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया और देश की 140 करोड़ आबादी की इच्छाशक्ति के संबल से दहाड़ते हुए आज कहा कि अब आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और आर्तकियों एवं साजिशकर्ताओं को ऐसी सजा मिलेगी जो उनकी कल्पना से भी बड़ी होगी।

श्री मोदी ने गुरुवार को यहां झंझारपुर के लोहना पंचायत में पंचायती राज स्थापना दिवस पर आयोजित सभा में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, 'यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आर्तकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।'

श्री मोदी ने बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूरी दुनिया को एक सशक्त संदेश दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा, 'भारत हर उस आतंकवादी और उसके संरक्षक को पहचानेगा, ढूंढेगा और सजा देगा, जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देता है। भारत आतंकवादियों को धरती के अंतिम कोने तक खदेड़ेगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।'

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी और आर्तकियों को उचित दंड मिलेगा। उन्होंने कहा, 'मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों की जनता और नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जो इस मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़े हैं।'

श्री मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार के लोगों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ्य हों इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया और किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बंगला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजराती था और कोई बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर करगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है। हमारा आक्रोश एक जैसा है।'

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, जीतनराम मांझी, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, गिरिराज सिंह, चिराग पासवान, बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारत-पाकिस्तान तानातनी के बीच स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने हासिल की बढ़ी सफलता

पाकिस्तान से बाजी मार ले गया भारत

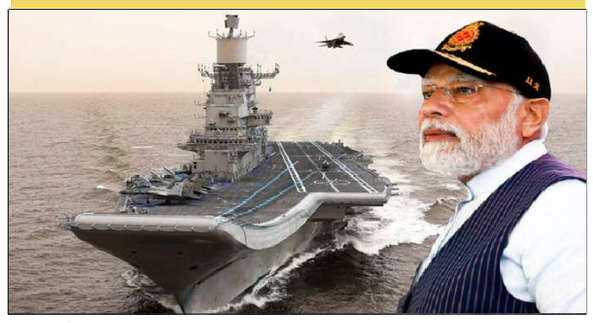

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से केंद्र की मोदी सरकार एक्शन मोड में है। एक दिन पहले ही पड़ोसी मुल्क के खिलाफ बड़े फैसले लेने के बाद अब तैयारियां सैन्य स्तर पर हो रही हैं। इसी बीच, भारतीय नौसेना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नौसेना के अपने बनाए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सूरत ने समुद्र में तेजी से उड़ने वाले टारगेट पर सटीक हमला कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि नौसेना की ताकत को और मजबूत करती है।

दरअसल अरब सागर में हुआ यह सफल परीक्षण इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाकिस्तान भी अरब सी में एक मिसाइल परीक्षण करने वाला है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से लिए गए ताबड़तोड़ फैसलों के बाद पाकिस्तान मिसाइल परीक्षण करने जा रहा है। पाकिस्तान ने अरब सागर क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण करने का फैसला लिया है। यह मिसाइल सतह से सतह पर मार करने वाली होगी और यह परीक्षण 24-25 अप्रैल को कराची तट पर होगा। भारत की जांच एजेंसियां घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। इस लेकर गृह मंत्रालय मंग रॉ और आईबी चीफ की गृह सचिव के साथ उच्चस्तरीय बैठक हो रही है।

पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक खत्म,

राजनाथ ने विपक्ष को दी पूरी जानकारी, राहुल बोले- हम सरकार के साथ

नई दिल्ली/ भव्य खबर। मंगलवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हम लोग को लेकर केंद्र सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस दौरान राजनाथ सिंह ने विपक्ष को पूरी बात बताई पूर्ण सी वही इस बैठक के बाद राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर कहा कि यह बहुत दुखद घटना है... पिछले कई सालों से कश्मीर में लोग शांति से अपना व्यापार कर रहे थे, टूरिस्ट आ रहे थे, गतिविधियां चल रही थी और सब बहुत अच्छा हो रहा था... सभी राजनैतिक दलों ने अपने-अपने विचारों को रखा और एक बात सामने आई कि देश को एकजुट होकर और एक आवाज में बोलना चाहिए... सभी पार्टियों ने कहा है कि वे सरकार के साथ है।

केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी बैठक में मौजूद थे। सभी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। हमने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए...।' लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'सभी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन दिया है।'

इससे पहले विपक्ष ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करें। मोदी बृहस्पतिवार को बिहार के दरभंगा के दौरे पर थे, जहां उन्होंने घोषणा की कि पहलगाम के हत्यारों और उनके समर्थकों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा। सर्वदलीय बैठक के एक दिन पहले सरकार ने पाकिस्तान को निशाना बनाकर कई कदमों की घोषणा की। सर्वदलीय बैठक बुलाने का निर्णय बुधवार को लिया गया था और सिंह एवं शाह ने विभिन्न दलों से संपर्क किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित किसी अहम घटना के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की परंपरा रही है, जैसा 2019 में पुलवामा आतंकी हमला या 2020 में भारत-चीन गतिरोध के दौरान देखा गया था।

देश की दूसरी और बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

सहरसा से मुंबई के बीच चलने वाली अमृत भारत ट्रेन को रवाना किया

मधुबनी (एजेंसी)। देश की दूसरी और बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन 24 अप्रैल से जयनगर से पटना के बीच चलेगी। नमो भारत ट्रेन 130 किमी/घंटे की रफ्तार होगी। 267 किमी की दूरी करीब 5 घंटे में पूरी करेगी। साथ ही बिहार से दूसरी अमृत भारत भी 24 अप्रैल से ही शुरू हो गई है। यह सहरसा से मुंबई के बीच चलेगी। मधुबनी से पीएम मोदी ने दोनों ट्रेनों को वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाई। 16 कोच वाली नमो भारत के सभी कोच जनरल हैं। इस ट्रेन में 2000 पैसेंजर की क्षमता है। देश की पहली नमो भारत भुज से अहमदाबाद के बीच चल रही है।

बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन जय नगर से पटना के बीच चलेगी। इस दौरान ट्रेन मधुबनी, सकरी, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा और पटना में ठहराव लेगी। नमो भारत ट्रेन जयनगर से सुबह 5 बजे चलकर सुबह 10.30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में पटना से शाम 6.05 बजे चलकर रात 11.45 पर जयनगर पहुंचेगी।

सिक्योरिटी कैसी रहेगी

कवच सिस्टम एक स्वदेशी एंटी प्रोटेक्शन सिस्टम (एपीएस) है। इस खासतौर पर रेल हादसे को रोकने के लिए डिजाइन है। इससे इमरजेंसी हालात में खुद-ब-खुद ट्रेन रुक सकती है यानी ब्रेक लगा सकता है। किसी भी कारणवश जब ट्रेन का ड्राइवर समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता है, तब ये सिस?टम तुरंत सक्रिय हो जाता है। ट्रेन के सभी कोचों में सीसीटीवी और फायर डिटेक्शन सिस्टम इंस्टॉल किया गया है। जो लोगों की सेफ्टी के साथ-साथ आगजनी की घटना को रोकने में मदद करेगी।

राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता महेश जोशी 900 करोड़ के घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी को 900 करोड़ के घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। महेश जोशी राजस्थान की पिछली गहलोत सरकार में जलदाय मंत्री थे। उनके टर्म में जल जीवन मिशन में 900 करोड़ के घोटाले का आरोप है। महेश जोशी को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। मालूम हो कि 900 करोड़ के घोटाले के मामले में महेश जोशी से पूछताछ हो रही थी।

ईडी इससे पहले ठेकेदार पदमचंद जैन, पीयूष जैन, महेश मित्तल और संजय बड़ाया को गिरफ्तार कर चुकी है। संजय बड़ाया मंत्री महेश जोशी का करीबी था। ईडी का आरोप है कि फर्जी वर्क एक्सपीरियंस के आधार पर जो वर्क ऑर्डर दिए गए, उसमें मंत्री की मिलीभगत थी। संजय बड़ाया ने मंत्री महेश जोशी के कहने पर इन कंपनियों को फायदा पहुंचाया।ईडी ने अपनी जांच में कहा है कि संजय बढ़ाया महेश जोशी का करीबी है। और इस स्कैम में उसकी बड़ी भूमिका है। ईडी की रिपोर्ट में दर्ज है कि संजय ही मंत्री महेश जोशी के कहने पर सभी ट्रांसफर पोस्टिंग, टेंडर से जुड़े काम देखता था।

पीएचईडी के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर विशाल सक्सेना ने अपने बयान में कहा था कि उसने एक बार महेश जोशी से मुलाकात कर अपनी पोस्टिंग जयपुर में ही रखने का आग्रह किया था। तब महेश जोशी ने विशाल को कहा था कि इस तरह के काम संजय बढ़ाया और विभाग का एक एग्जिक्यूटिव इंजीनियर संजय अग्रवाल देखता है। इसलिए वह इन दोनों से मिल ले।

इसके बाद विशाल से उसे गणपति

ट्यूबवेल के फर्जी सर्टिफिकेट पर पॉजिटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया। ईडी के मुताबिक कई अन्य कर्मियों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि संजय महेश जोशी का करीबी था और विभाग से जुड़े ट्रांसफर, पोस्टिंग और टेंडर तक में उसकी भूमिका रहती थी।

सीडब्ल्यूसी बैठक में पहलगाम हमले की निंदा, सुरक्षा चूक की हो जांच

-आतंकियों ने भावनाएं भड़काने जान-बूझकर हिंदुओं को निशाना बनाया

नई दिल्ली/ भव्य खबर। दिल्ली में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में पहले सीडब्ल्यूसी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई, जिसमें 28 पर्यटकों की मौत हो गई थी। बैठक में इस कायरतापूर्ण हमले के खिलाफ शांति और एकजुटता की अपील की गई। सुरक्षा चूकों की जांच और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तय करने की मांग उठाई गई।

बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में कांग्रेस ने बताया। कांग्रेस कार्य समिति 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त करती है। इस आतंकी हमले में 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हैं। बैठक में शोक संतृप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की गई। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान में रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना। पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिश थी।

हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्य समिति शांति की अपील करती है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कांग्रेस कार्य समिति स्थानीय पोनी वाले और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनमें से एक पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। इन्होंने भारत की विचारधारा को जीवंत रखा। उनका बलिदान उस भारत की भावना को दर्शाता है, जहां निस्वार्थ सेवा और मानवता सर्वोपरि है।

राष्ट्र की सामूहिक इच्छा शक्ति को अभिव्यक्त करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 अप्रैल की रात को ही पीएम मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। यह ध्यान देने वाली बात है कि पहलगाम एक अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। ऐसे में यह अत्यावश्यक है कि इस केंद्र शासित प्रदेश जो सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है उसमें इस प्रकार के हमले को अंजाम देने में हुई खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की व्यापक और गहन जांच की जाए। इन सवालों को व्यापक जनहित में उठाना जरुरी है। यही एकमात्र रास्ता है, जिससे पीड़ित परिवारों के साथ न्याय होते हुए देखा जा सकता है।

कांग्रेस कार्य समिति यह भी नोट करती है कि अमरनाथ यात्रा शुरु होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु यहां आते हैं, उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए ठोस पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की आजीविका की भी रक्षा की जानी चाहिए, जिनका जीवन पर्यटन पर निर्भर है। यह कार्य पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए।

इस नरसंहार की जम्मू-कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और समाज के सभी

वर्गों एवं सामान्य कश्मीरी नागरिकों द्वारा सर्व सम्मति से निंदा की गई, लेकिन यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि बीजेपी इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के जरिए से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है, जबकि इस समय सबसे ज्यादा जरुरत एकता और एकजुटता की है।

आतंकवादी हरकतों की वजह से प्यासे मरेगा

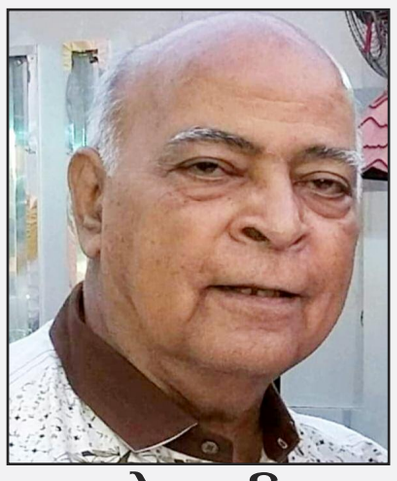

अशोक भाटिया

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। 26 लोगों की मौत इस हमले में हुई है। हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, अटारी चेक पोस्ट बंद किया, पाकिस्तानी नागरिकों के सार्क वीजा रद्द किए, और दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला लिया। इन कदमों से बौखलाए पाकिस्तान ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाकर भारत को जवाब देने की गीदड़भभकी दी है।

भारत और पाकिस्तान के संबंध पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। 26 लोगों की मौत इस हमले में हुई है। हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित कर दी, अटारी चेक पोस्ट बंद किया, पाकिस्तानी नागरिकों के सार्क वीजा रद्द किए, और दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या घटाने का फैसला लिया। इन कदमों से बौखलाए पाकिस्तान ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक बुलाकर भारत को जवाब देने की गीदड़भभकी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और आर्थिक संकट उसे भारत के खिलाफ उकसाने का काम कर रहे हैं। भारत का सख्त रुख दोनों देशों के बीच तनाव को और गहरा सकता है। आर्थिक तंगी के चलते भूखों मरता पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी हरकतों की वजह से प्यासे भी मरेगा। आतंकियों का पनाहगार बने पाकिस्तान का हुक्का-पानी बंद होने वाला है। भारत अब पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौते पर आगे नहीं बढ़ना चाहता। इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। इस मामलें में भारत ने अपना वक्तव्य दे दिया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत इस कदर बदहाल हो गई है कि वहां लोगों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़े हैं। पाकिस्तान भूख से तड़प रहा है। आटे, दाल और चावल के लिए लोग आपस में छीना-झपटी और मारपीट तक कर रहे हैं। पाकिस्तान के आंतरिक हालात की ये तस्वीरें पूरी दुनिया देख रही है। महंगाई पाकिस्तान में लोगों की कमर तोड़ चुकी है। पाकिस्तानियों को भरपेट भोजन भी नसीब नहीं हो रहा। अभी तक पाकिस्तान भूख और आर्थिक बदहाली का मारा है, लेकिन अब उसके प्यासों मरने की भी नौबत आ गई है। भारत ने पहले उसे दर-दर कटोरा लेकर भीख मांगने को मजबूर किया था। अब यही भारत उसे बाल्टी पकड़ाने जा रहा है। क्योंकि पाकिस्तान की हरकतें ही कुछ ऐसी हैं। दरअसल भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी जल समझौता तोड़ दिया है। ज्ञात हो कि भारत ने सिंधु जल समझौता 1960 में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस जारी किया था । 65 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब भारत ने सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की थी । उस समय पाकिस्तान को जारी नोटिस इसलिए भी मायने रखता था क्योंकि भारत के कई एक्सपर्ट्स समय-समय पर इस समझौते को रद्द करने की मांग करते रहे हैं। भारत भी इससे पहले पाकिस्तान को पानी रोकने की चेतावनी दे चुका था । पुलवामा हमले के बाद फरवरी 2019 में भी भारत के तत्कालीन परिवहन और जल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान में बह रहे अपने हिस्से के पानी को रोक सकता है। सिंधु जल समझौता रद्द होने या भारत की ओर से पानी डायवर्ट करने से पाकिस्तान में नदी के पानी पर निर्भर रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए संकट पैदा हो सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने यह नोटिस 25 जनवरी 2022 को जारी किया था । भारत की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि भारत, पाकिस्तान के साथ जल संधि को पूरी तरह से लागू करने का समर्थक रहा है। लेकिन पाकिस्तान की कार्रवाइयों ने भारत को जरूरी नोटिस जारी करने के लिए मजबूर कर दिया। नोटिस जारी करने का मुख्य मकसद पाकिस्तान को समझौते के उल्लंघन को सुधारने के लिए 90 दिनों की मोहलत देना था । पाकिस्तान नोटिस रिसीव करने के तीन महीने के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता था । दरअसल सिंधु जल समझौता तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी मिलिट्री जनरल अयूब खान के बीच कराची में सितंबर 1960 में हुआ था। लगभग 63 साल पहले हुई सिंधु जल संधि (व्हळ) के तहत भारत को सिंधु तथा उसकी सहायक नदियों से 19।5 प्रतिशत पानी मिलता रहा है। जबकि पाकिस्तान को लगभग 80 प्रतिशत पानी मिलता है। भारत अपने हिस्से में से भी लगभग 90 प्रतिशत पानी ही उपयोग करता रहा है।1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को छह नदियों में विभाजित करते हुए इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के तहत दोनो देशों के बीच प्रत्येक साल सिंधु जल आयोग की वार्षिक बैठक होना अनिवार्य है। सिंधु जल संधि को लेकर पिछली बैठक 30-31 मई 2022 को नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक को दोनों देशों ने सौहार्दपूर्ण बताया था। पूर्वी नदियों पर भारत का अधिकार है। जबकि पश्चिमी नदियों को पाकिस्तान के अधिकार में दे दिया गया। इस समझौते की मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी। सिंधु जल प्रणाली में मुख्य नदी के साथ-साथ पांच सहायक नदियां भी शामिल हैं। इन नदियों में रावी, ब्यास, सतलज, झेलम और चिनाब है। ये नदियां सिंधु नदी के बाएं बहती है। रावी, ब्यास और सतलुज को पूर्वी नदियां जबकि जबकि चिनाब, झेलम और सिंधु को पश्चिमी नदियां कहा जाता है। इन नदियों का पानी भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। पुलवामा हमले के बाद भारत के तत्कालीन परिवहन और जल मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट करते हुए कहा था कि भारत सरकार पाकिस्तान जाने वाले अपने हिस्से के पानी को रोकने का फैसला कर रहा है। हम पूर्वी नदियों के पानी को डायवर्ट कर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में अपने लोगों को इसकी आपूर्ति करेंगे। इसलिए हमारे हिस्से का पानी पाकिस्तान में जा रहा है। अब हम एक परियोजना बनाने और इन नदियों के पानी को यमुना में मिलाने की योजना बना रहे हैं। कई विशेषज्ञों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों का कहना है कि सिंधु संधि जल समझौता एक ऐतिहासिक भूल थी। अब समय आ गया है कि भारत इस भूल को ठीक करे। इस समझौते में जरूरी संशोधन कर सिंधु और उसके सहायक नदियों का पानी उचित मात्रा में आवंटित करे। पाकिस्तान रुक-रुक कर भारत पर आतंकी हमला करता रहता है। ऐसे में खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। एक अन्य एक्सपर्टस सतीश चंद्रा का कहना है कि नेहरू ने यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की उम्मीद से की थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया है। हमें इस समझौते से बाहर निकल जाना चाहिए। इस संधि की वजह से कई भारतीय परियोजनाओं को रोक दिया गया। दरअसल, सिंधु जल समझौते के तहत भारत को कुछ शर्तों के साथ पश्चिमी नदियों पर रन ऑफ द रिवर परियोजना के माध्यम से पनबिजली उत्पन्न करने का अधिकार दिया गया है। भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा (नीलम) और रातले जलविद्युत परियोजनाएं इन्हीं पश्चिमी नदियों पर हैं। लेकिन पाकिस्तान इस पर आपत्ति जताता रहा है। पाकिस्तान ने 2015 में इस परियोजना पर तकनीकी आपत्तियों की जांच के लिए एक तटस्थ विशेषज्ञ की नियुक्ति का अनुरोध किया था।

लेकिन 2016 में पाकिस्तान ने इस अनुरोध को एकतरफा वापस लेते हुए फैसला सुनाने के लिए एक मध्यस्थ अदालत की मांग की। पारस्परिक रूप से बीच का रास्ता निकालने के लिए भारत की ओर से बार-बार प्रयास करने के बावजूद पाकिस्तान ने 2017 से 2022 तक स्थायी सिंधु आयोग की पांच बैठकों में इस पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। इस तरह से पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के प्रावधानों के लगातार उल्लंघन ने भारत को सिंधु जल समझौते में संशोधन इस तरह से पाकिस्तान की ओर से सिंधु जल संधि के प्रावधानों के लगातार उल्लंघन ने भारत को सिंधु जल समझौते में संशोधन को लेकर नोटिस जारी करने के लिए मजबूर कर दिया था । पाकिस्तान में भयंकर भुखमरी की नौबत आ सकती है। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहा है और अन्न संकट की वजह से भुखमरी की मार झेल रहा है। अब भारत के ऐक्शन से उसकी कमर टूट सकती है। यानी मोदी सरकार के इस ऐक्शन से पाकिस्तान की बड़ी आबादी भूख और प्यास दोनों से तड़प सकती है। समझौते के मुताबिक हरेक साल सिंधु जल आयोग की बैठक होनी जरूरी है। पिछले साल अगस्त में, भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को एक नोटिस भी दिया था। उस नोटिस में कहा गया था कि परिस्थितियों में होने वाले मौलिक और अप्रत्याशित बदलावों के कारण समझौते की फिर से समीक्षा करने की जरूरत है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सीमा पार से होने वाली आतंकवादी घटनाएं ही इस नोटिस की वजह थीं। अब भारत ने आतंक की घटनाओं की वजह से ही ऐसा सख्त कदम उठाया है।

संपादकीय

भारतीय विचार पर हमला

अमृता आर. पंडित

पहलगाम में सैलानियों पर हुआ क्रूर आतंकी हमला सिर्फ चंद लोगों को मार कर दहशत फैलाने के उद्देश्य से किया गया हमला नहीं था, बल्कि यह उन दावों पर भी हमला था जो मोदी सरकार पिछले लंबे समय से कश्मीर में शांति स्थापित होने, विकास की प्रक्रिया तेज होने और वहां एक निर्वाचित सरकार के प्रतिष्ठित हो जाने के तौर पर करती आ रही थी। यह भारतीय सुरक्षा बलों की कार्यकुशलता, कश्मीर की सुरक्षा तथा वर्तमान प्रशासन की सक्षमता पर भी सीधा हमला था। यह कश्मीरियों के साथभारत सरकार के सुधरते लगते रिश्तों पर भी हमला था। कश्मीर के पर्यटन पर प्रहार था और भारत की उस सांझी संस्कृति और सांझी चेतना पर भी प्रहार था जो धार्मिक एकता की प्रबल पक्षधर रही है और आतंक के बारे में कहती रही है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, वे सिर्फ आतंकवादी होते हैं। यह ध्यान रखने की बात है कि हमला उस समय हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति वेंस भारत के दौरे पर थे और जब भारत में मुस्लिम संगठन वक्फ कानून के विरोधमें भारत सरकार को सीधे चुनौती तो कहीं-कहीं धमकी देने के स्तर पर उतरे हुए हैं। इसलिए इस हमले के प्रभाव को मात्र कश्मीर तक सीमित न मान कर इन सभी परिघटनाओं के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जैसा कि आम तौर पर आतंकी घटनाओं के बाद होता है, इस बार भी हुआ है कि पूरा देश खदबदा रहा है। इस हमले को लोग कई नजरिए से देख रहे हैं। कुछ इसे भारत सरकार की असफलता मान कर घटना का दोष उस पर मढ़ रहे हैं तो कुछ इसे इस्लामी कट्टरपंथ से जोड़.रहे हैं। अब भारत सरकार के सामने एक नहीं, कई चुनौतियां आकर खड़ी हो गई हैं कि वह माने कि कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है और जब तक बगल में पाकिस्तान है तब तक उसके खत्म होने की कोईसंभावना भी नहीं है। इसलिए उसे समझना होगा कि वह शांति क्षेत्रनहीं है जिसका वह दावा कर रही है, बल्कि निरंतर जारी युद्ध का क्षेत्रमें है, इसलिए उसे स्वयं को 24 घंटे युद्धके भाव में ही रहना होगा। उसके सामने दूसरी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश के भीतर उन तत्वों को सफल न होने दे जो भारत को अपने कुत्सित एजेंडे.के तहत अस्थिरता और असुरक्षा में धकेलने के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं। भारत सरकार के लिएयह सुखद स्थिति है कि इस हमले के बाद समूचा कश्मीर इस घटना की निंदा कर रहा है, और इसके विरुद्धउतर आया है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप

ईश्वर के स्वरूप को लेकर मानव समाज में सदियों से विभिन्न मत और दृष्टिकोण रहे हैं। एक ओर वेदांत दर्शन ईश्वर को निर्गुण और निराकार मानता है, वहीं दूसरी ओर पुराणों में सगुण देवताओं की पूजा का महत्व बताया गया है। यह द्वंद्व कई बार लोगों के मन में उलझन पैदा करता है कि आखिर ईश्वर का वास्तविक स्वरूप क्या है। क्या ईश्वर केवल एक निराकार ऊर्जा है, या फिर वह किसी साकार रूप में भी हमारी पूजा-अर्चना का पात्र हो सकता है? इस लेख में हम इन प्रश्नों के उत्तर तलाशेंगे और वेदों तथा पुराणों के दृष्टिकोण से ईश्वर के दोनों स्वरूपों की गहराई से विवेचना करेंगे। निर्गुण का अर्थ है ऐसा अस्तित्व, जो किसी भी प्रकार के गुणों, आकार, रंग, या सीमा से मुक्त हो। इसे शुद्ध चेतना, अनंत ऊर्जा, और अनादि-अनंत स्वरूप में देखा जाता है। यह वह अवस्था है, जो विचारों और इंद्रियों से परे है। भारतीय दर्शन में इसे ह्लपरब्रह्मह्व कहा गया है, जो सभी गुणों से रहित है। इसके विपरीत, सगुण का अर्थ है ऐसा ईश्वर, जो गुण, स्वरूप, आकार, और विशेषताओं से युक्त हो। सगुण ईश्वर को मानव के समझने और पूजा करने योग्य बनाया जाता है, ताकि भक्त उसके साथ भावनात्मक संबंध जोड़ सके। सगुण ईश्वर की उपासना में मूर्ति पूजा और देवताओं के अवतारों की पूजा शामिल होती है। उदाहरण के तौर पर, सूर्य एक सगुण ईश्वर का प्रतीक हो सकता है, जबकि उसकी ऊर्जा निर्गुण के समान है। सगुण ईश्वर की उपासना भक्त को प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है, जबकि निर्गुण ईश्वर की साधना ज्ञान और ध्यान के माध्यम से की जाती है। वेदों में ईश्वर को ह्लसत्-चित्-आनंदह्व (सच्चिदानंद) कहा गया है, जो सत्य, ज्ञान और आनंद का प्रतीक है। यह स्वरूप निर्गुण है, जो किसी भी भौतिक सीमा में नहीं आता। सगुण ईश्वर की परिभाषा में उसे विभिन्न देवताओं के रूप में देखा गया है, जैसे शिव, विष्णु, दुर्गा आदि। इन देवताओं के माध्यम से भक्त अपने भावनात्मक और आध्यात्मिक संबंध स्थापित करते हैं। वेदांत दर्शन यह कहता है कि ईश्वर अनंत है और वह किसी भी रूप में प्रकट हो सकता है।

अमेरिका के उपराष ट्रपति जेडी वेंस पहलगाम आतंकी हमले से दुःखी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर भारत की यात्रा पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दुख जताया है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट में पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की और इस हमले को बेहद दुखद बताया. साथ ही कहा कि हमारी भावनाएं और प्रार्थनाएं यहां के लोगों के साथ हैं. जेडी वेंस चार दिन की भारत यात्रा पर सोमवार को ही भारत पहुंचे थे. उन्होंने एक्स पर कहा, "उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं. पिछले कुछ दिनों में हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हो गए हैं. इस भयानक हमले में हमारी भावनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं. यही नहीं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की चौतरफा निंदा हो रही है. साल 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी में हुआ से सबसे बड़ा हमला है, जिसने एक बार फिर से झकझोर कर रख दिया है. दहशतगर्दों की इस कायराना हरकत ने 30 लोगों की जान ले ली. देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के तमाम देशों ने घटना पर दुख जाहिर करते हुए इसकी निंदा की है. हम बात कर रहे थे अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की । एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और उपराष्ट्रपति वेंस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया.बताया जाता है कि जेडी वेंस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति दिखी।दूसरा प्रधानमंत्री के सामने एक बैठक में वेंस के पहुंचने की तस्वीरें आज जारी की गईं। यह देखते हुए, यह मान लेना सुरक्षित है कि चर्चा बहुत ही चंचल माहौल में हुई थी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के बाद से, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति ने एक नए आयाम पर ले लिया है। व्हाइट हाउस में, ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी एलोन मस्क के बेटे और बेटी, मेहमानों के सामने खेल रहे हैं, उनके एक दर्जन से अधिक बच्चों में से एक उनके वास्तविक सिर पर बैठा है, दूसरे को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा तैयार किया जा रहा है, और किसी और को शाही अतिथि के रूप में खेला जा रहा है, और ट्रम्प का पारिवारिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति लाने का प्रयास राजनीति में पारिवारिक संस्थानों के महत्व को रेखांकित करता है। क्षेत्र में ट्रम्प का अनुभव काफी व्यापक है, और मस्क कम से कम चार ज्ञात परिवारों का अनुयायी है। वेंस बचपन से अपने बच्चों के लिए ट्रम्प-मस्क के कूटनीति के उपयोग का अनुकरण करते हैं। वैसे भी। यह मामला हो सकता है, लेकिन प्रधान मंत्री-उपराष्ट्रपति की यात्रा पर कोई आधिकारिक संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने कहा कि वार्ता 'बहुत सार्थक' रही। अब इस 'फला' की व्याख्या करने की जरूरत है। इस बात का खुलासा खुद वेंस ने जयपुर में अपने भाषण में किया। भारत को अमेरिका से ज्यादा से ज्यादा हथियार मिलें, अमेरिकी उत्पादों के लिए ज्यादा से ज्यादा बाजार मिले, भारत अमेरिकी अनाज से ज्यादा से ज्यादा एथेनॉल खरीदे, भारतीय वाहनों में अमेरिकी एथेनॉल का इस्तेमाल शुरू करे, हमारे एफ-35 विमान भारत की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। वेंस की यात्रा के पीछे का आर्थिक विचार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों को अधिक आसान पहुंच प्रदान करना है, ताकि भारत भारतीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर अमेरिकी ईंधन उत्पादों का उपयोग कर सके। उन्होंने कहा कि आने वाली सदी भारत और अमेरिका के बीच होगी और दोनों देशों को 'समान सिद्धांत' पर व्यापार बढ़ाना चाहिए। समाज-सम्मत। मकसद है कि दोनों देशों के बीच जल्द से जल्द ट्रेड डील हो जाए। उपराष्ट्रपति वेंस की भारत यात्रा इसी के अनुरूप थी। वांस ने कहा कि बैठक के दौरान व्यापार समझौते पर अच्छी प्रगति हुई, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अक्टूबर दोनों देशों के बीच पहले समझौते को वास्तविकता में बदलने का समय होगा। ऐसा लगता है कि वेंस की भारत यात्रा में इस मुद्दे पर प्रगति करने में कम से कम चार से पांच महीने लग गए हैं, जिसका अर्थ है कि अगर यह संयुक्त यात्रा के लिए नहीं होती और अपेक्षित प्रगति हुई होती, तो समझौते में और देरी होती। क्योंकि ट्रम्प के अनुसार, भारत अमेरिकी सामान उतना नहीं खरीदता जितना वह संयुक्त राज्य अमेरिका को बेचता है। ट्रम्प का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार उनके लिए फायदेमंद है और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए वरदान है। संयुक्त राज्य अमेरिका जोर देकर कहता है कि भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका से अधिक उत्पाद खरीदकर इस व्यापार असंतुलन को दूर करना चाहिए। ट्रम्प ने हाल ही में इस उद्देश्य के लिए भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है। उन्होंने अभी के लिए इस पर 90 दिनों की रोक लगा दी है। अधिस्थगन अवधि के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार समझौतों को फिर से लिखे जाने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में, इस अवधि के दौरान भारत के अमेरिकी उत्पादों के प्रवाह को बढ़ाने की जरूरत है। इसे कितना बढ़ाना चाहिए? हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में, दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा 41 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल 3,533 अरब डॉलर और उससे पहले 2,768 अरब डॉलर था। इसका मतलब यह है कि भारतीय उत्पाद अमेरिका में अधिक बेचे जाते हैं, जैसा कि ट्रम्प कहते हैं, और अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में उतने नहीं हैं। ट्रम्प प्रशासन अब इसे और अधिक प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को भारतीय बाजार में स्वतंत्र रूप से बेचने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह एक आग्रह है जिसे आप स्वीकार नहीं करते हैं। क्योंकि अगर ऐसा होता है, तो भारतीय बाजार सस्ते अमेरिकी उत्पादों से भर जाएगा और यह स्थानीय, भारतीय उत्पादों को प्रभावित करेगा। यह आत्मनिर्भरता के रास्ते में आएगा। लेकिन कोई संकेत नहीं है कि हमारी खरीदारी यात्रा वहां समाप्त होने जा रही है।एक बेहद भरोसेमंद दैनिक फाइनेंशियल टाइम्स ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की, जबकि वेंस भारत में थे, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने जोर दिया है कि भारतीय बाजार को अमेजॅन और वॉलमार्ट के विशाल स्टोरों के लिए खोला जाना चाहिए। अमेजॅन अभी भी ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से भारत में है, लेकिन यह कई शर्तों का भी सामना करता है और साथ ही अपने भारतीय प्रतिस्पर्धियों को कई छूट प्रदान करता है। वहीं, वॉलमार्ट किराना क्षेत्र में विदेशी पूंजी की सीमा तय होने के कारण भारत में फिजिकल स्टोर नहीं खोल पाई है। फाइनैंशल टाइम्स के मुताबिक अमेरिका इन दोनों मुद्दों के लिए भारत पर दबाव बना रहा है और यह कहना मुश्किल है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है. वित्तीय पत्रिकाओं में छपी खबरों के मुताबिक इसके साथ ही भारत इस बात की भी कोशिश कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय कंपनियां अमेरिकी उत्पादों का आयात करें। यदि भारत-अमरीका व्यापार घाटे को कम करना है तो ये और ऐसे अन्य उपाय किए जाने चाहिए। क्योंकि इतने सालों के घाटे को एक झटके में एक फैसले से भरना असंभव है। अमेरिका का कहना है कि इस संबंध में भारत की स्थिति सकारात्मक है, और वेंस इस पर भारत को बधाई देते हैं, जिसका स्पष्ट अर्थ है कि यह कब सामने आता है। अभी के लिए, कई लोगों के पास इन बच्चों के साथ कूटनीति की 'मूल' नई शैली के अनुकूल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

अशोक भाटिया

"शहीद आदिल : कश्मीरियत की मिसाल"

राजेश श्रीवास्तव

सैय्यद आदिल हुसैन शाह, जिन्हें पहलगाम में सैय्यद हुसैन के नाम से जाना जाता था, एक साधारण घोड़ा चलाने वाले व्यक्ति थे। अनंतनाग के अशमुकाम गांव के 32 वर्षीय आदिल अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। उनकी छोटी-सी दुनिया में पत्नी, बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता थे। हर सुबह, आदिल पर्यटकों को अपने घोड़े पर बैसरन घाटी ले जाते। "मिनी स्विट्जरलैंड" कहलाने वाली यह घाटी उनकी आजीविका का स्रोत थी। उनकी मुस्कान और मेहमाननवाजी कश्मीरियत की मिसाल थी। 22 अप्रैल 2025 की दोपहर, बैसरन घाटी में आतंकियों ने हमला बोला। द रेसिस्टेंट फ्रंट के 4-6 आतंकवादियों ने गोलियां बरसाईं। पर्यटकों को धर्म और नाम पूछकर निशाना बनाया गया। घाटी खून और चीखों से भर गई। इस भयावह मंजर में आदिल ने साहस दिखाया। उन्होंने पर्यटकों को बचाने के लिए आतंकियों का मुकाबला किया। एक आतंकी की राइफल छीनने की कोशिश में वह गोलियों का शिकार बन गए। उनकी बहादुरी ने कई जिंदगियां बचाईं। आदिल की शहादत ने उनके परिवार को तोड़ दिया। उनके पिता, सैय्यद हैदर, ने कहा, "वह हमारा सहारा था।" उनकी मां सदमे में चुप हैं। पत्नी और बच्चे अब अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं। आदिल की वीरता ने कश्मीरियत को जिंदा रखा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उनके अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। सैकड़ों स्थानीय लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने आए। पहलगाम में टॉर्च रैलियां निकलीं। आदिल की शहादत ने सवाल उठाए। आतंकियों ने उन्हें क्यों निशाना बनाया? खुफिया तंत्र क्यों नाकाम रहा? बैसरन में सुरक्षा क्यों नहीं थी? ये सवाल सरकार और समाज से जवाब मांगते हैं।आदिल के परिवार को आर्थिक और भावनात्मक सहायता चाहिए। ठक्ष को दोषियों को सजा दिलानी होगी। कश्मीर में पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ानी होगी। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाना जरूरी है। सैय्यद आदिल कोई सैनिक नहीं थे, लेकिन उनकी वीरता ने उन्हें शहीद बनाया। उन्होंने कश्मीरियत और इंसानियत की रक्षा की। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि साहस किसी पद का मोहताज नहीं। आदिल की शहादत को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। कश्मीर को शांति का स्वर्ग बनाएंगे। उनके परिवार का ख्याल रखना हमारा कर्तव्य है। सैय्यद आदिल हुसैन शाह को सलाम, उनकी विरासत को नमन।

संक्षिप्त डायरी

करावल नगर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, एक कर्मचारी आग में झुलसा

नई दिल्ली/ भव्य खबर । करावल नगर इलाके में बृहस्पतिवार सुबह पटाखे बनाने की अवैध फै ट्री में तेज धमाके के साथ आग लग गई। आग में एक कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गया। धमाका इतना तेज था कि फै ट्री का दरवाजा काफी दूर जाकर गिरा, बालकनी की ग्रिल भी टूटकर गली में जा गिरी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, दमकल की टीमें मौके पर पहुंची। हादसे में झुलसे कर्मचारी रिजवान को एंबुलेंस से जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आशंका है बारूद को मिलाते वक्त फैक्ट्री में धमाका हुआ। करावल नगर थाना ने दूसरे के जीवन को खतरे में डालने समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। एफएसएल की टीम ने नमूने एकत्रित किए हैं। फैक्ट्री मालिक अरबाज व मकान मालिक वीरेंद्र से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 8:45 बजे सूचना मिली थी कि करावल नगर के अंकुर एन लेव में एक फैक्ट्री में आग लगी है। पुलिस व दमकल की आठ गाडियां मौके पर पहुंची। बचाव दल के पहुंचने से पहले ही आग बुझ गई थी। पुलिस को पता चला कि भू-तल पर स्क्रैप का गोदाम है और पहली मंजिल पर बनी फैक्ट्री में ग्रीन पटाखे बनाएं जाते थे। हादसे के वक्त रिजवान नाम का कर्मचारी फै ट्री में मौजूद था। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका बहुत तेज था, दूर तक आवाज सुनाई दी। धमाके से फैक्ट्री का गेट करीब सौ मीटर दूर जाकर गिरा। मौके पर करावल नगर के विधायक कपिल मिश्रा भी पहुंचे पिछले कई माह से निगम व पुलिस की सांठगांठ से रिहायशी क्षेत्र में अवैध फैक्ट्री चल रही थी। निगम व पुलिस ने कभी इस तरफ ध्यान ही नहीं दिया। हादसे की सूचना मिलती ही मौके पर करावल नगर के विधायक कपिल मिश्रा भी पहुंचे। दमकल व पुलिस के अधिकारियों से हादसे की जानकारी पता की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी इस तरह की फैक्ट्री चल रही हैं उन्हें बंद किया जाए।

बेटी को बंधक बनाकर महिला से दुष्कर्म

नई दिल्ली/ भव्य खबर । बाहरी-उारी जिला में एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उनके पड़ोस में रहने वाले ही एक श स ने पहले उनकी 11 वर्षीय बेटी के हाथ-पैर बांध दिए। फिर उनके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। पीड़िता ने इसकी शिकायत स्थानीय थाना पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद आरोपी पर दुष्कर्म समेत अन्य कई धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिर तार कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है। जानकारी के मुताबिक, बिहार की रहने वाली एक महिला अपने पति और 11 वर्षीय बेटी के साथ बाहरी-उारी जिला के एक फार्म हाउस में केयर टेकर के रूप में काम करती है। इसी फार्म हाउस में परिवार के साथ रहती भी है। महिला ने बताया कि उनके पति किसी काम से बिहार गए हुए थे। बताया गया कि बीते रविवार की रात वह और उनकी बेटी फार्म हाउस के बरामदे में सो रही थी। तभी रात करीब 2:30 बजे एक पड़ोसी दीवार फांदकर आया। पहले उसने उनकी बेटी के हाथ-पैर चादर से बांध दिए। फिर उनके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके सीने में मुक्के भी मारे। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने वहां से भाग निकला। पीड़िता ने बताया कि उनकी बेटी ने किसी तरह दांत से अपने बंधे हाथ-पैर को खोला। सुबह इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को दी।
पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर मेडिकल कराने के बाद आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। इस पूरे मामले में बाहरी-उारी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के बयान के आधार पर आरोपित के खिलाफ बीएनएस की धारा- 115(2),333,351 और 64(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया। वहीं, आरोपित को शिकायत मिलने के दो घंटे बाद भी गिर तार कर लिया।

पुलिस के हत्थे चढ़ा गिरोह का सरगना, कार से 50 लाख की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली/ भव्य खबर । नई दिल्ली में क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए मु य सरगना को गिर तार किया है। उसके कजे से 50 लाख रुपये से अधिक की हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिर तार आरोपी की पहचान न्यू उस्मानपुर के सूरज उर्फ राजा उर्फ आशीष उर्फ ठ-ाकुर के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच की उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक, चार अप्रैल को क्राइम ब्रांच की टीम ने इमरान उर्फ चड्डी को कबीर नगर से गिर तार किया था, जिसकी कार से 315 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। पूछताछ में उसने बताया था कि जत की गई ड्रग्स उसे सूरज ने आपूर्ति के लिए दी थी। एसीपी राजकुमार और इंस्पे टर शिव कुमार के नेतृत्व में टीम ने 21 अप्रैल को पुस्ता रोड पर शास्त्री पार्क लाईओवर के पास से गिर तार किया, जब वह अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर 97 ग्राम हेरोइन आपूर्ति प्रयास कर रहा था। जांच में पता चला है कि सूरज लूट और झपटमारी जैसे आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस उससे पूछताछ कर ड्रग्स तस्करी में शामिल गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

हमले के विरोध में पाक उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में गुरुवार को एंटी टेरर ए शन फोरम ने चाण यपुरी स्थित पाक उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। एंटी टेरर ए शन फोरम के नेतृत्व में सैकड़ों प्रदर्शनकारी चाण यपुरी स्थित पाक उच्चायोग के सामने पहुंचे। यहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आज पूरा देश गुस्से में है। पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने जो कायराना हरकत की है, उसका जवाब जल्द दिया जाएगा। धर्म पूछकर निदोर्षों की हत्या की गई है। यह बर्दाश्त नहीं है। सचदेवा ने कहा कि पहलगाम का बदला उन्हीं की भाषा में लिया जाएगा।

धर्म पूछकर आतंकियों ने की हत्या, अब दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस हमले को लेकर दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी का बयान सामने आया है। उन्होंने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पहलगाम में बेगुनाह लोगों की हत्या ने हमारी अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। पूरा देश इस जघन्य वारदात की एक स्वर में निंदा करता है। शाही इमाम ने कहा मजहब के नाम पर बेगुनाहों का कत्ल करना एक ऐसा जुर्म है जो माफ करने लायक नहीं है। उन्होंने इसे 'नाकाबिल-ए-माफी जुर्म' करार देते हुए कहा कि ऐसे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। इमाम बुखारी ने हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और कहा मैं उनके गम में उनके साथ खड़ा हूं। अहमद बुखारी ने ये भी कहा कि आगे आने वाले जुमे को इस हवाले से जामा मस्जिद से ऐलान भी करूंगा। उन्होंने

साफ तौर पर कहा कि मजहब के नाम पर की गई ऐसी हिंसा न केवल धर्म का अपमान है, बल्कि इंसानियत के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध है। दूसरी तरफ इस हमले पर अजमेर शरीफ दरगाह के प्रमुख सैयद जैनुल आबेदीन की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। एजेंसी को दिए बयान में उन्होंने भी इस आतंकी हमले की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा इस कायराना हरकत की इस्लाम में कोई जगह नहीं है। हमारे मजहब की जो तालीम है, शिक्षा है, उसके अनुसार अगर एक भी मासूम का कत्ल किया जाता है, तो वह इंसानियत का अपमान है। इस तरह की घटनाओं से धर्म और इस्लाम बदनाम होते हैं, जबकि इस्लाम ऐसी हिंसा सिखाता ही नहीं है। उन्होंने आगे कहा हमारे पूर्वजों ने कभी ये नहीं सिखाया। बेगुनाहों का जो खून बहा दे, वो मेरी नजर में मुसलमान कहलाने लायक नहीं है। कौन सा मजहब सिखाता है कि धर्म पूछकर उसके ऊपर गोलियां चलाओगे? कम से कम ऊपरवाले के कहर से डरो। मासूमों की जान लेना पाप है। जो भी इस तरह की कायराना हरकत करता है, वो मुसलमान कहलाने लायक नहीं है। बता दें कि नेवी अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने बताया था कि आतंकियों ने धर्म पूछने के बाद मुसलमान नहीं होने की वजह से उनके पति को गोली मारी थी। उनका वायरल होने के बाद देशभर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी मामले पर शाही इमाम का भी बयान आया है। गौरतलब है कि विनय नरवाल का बुधवार को हरियाणा के करनाल में अतिंम संस्कार किया गया।

दिल्ली में इन गाड़ियों को 1 जुलाई से नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठाते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने बड़ा फैसला लिया है। आदेश के मुताबिक, 01 जुलाई 2025 से दिल्ली में 15 साल से पुरानी पेट्रोल और 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को पेट्रोल पंपों से फ्यूल नहीं मिलेगा। यह आदेश सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), गुरुग्राम और सोनीपत जैसे एनसीआर के अहम शहरों में यह नियम 01 नवंबर 2025 से लागू किया जाएगा। जबकि बाकी एनसीआर के शहरों फरीदाबाद, पानीपत, करनाल, बल्लभगढ़, भिवाड़ी, रेवाड़ी, पलवल, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़, हापुड़, मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, अलीगढ़, अलवर में 01 अप्रैल 2026 से यह आदेश प्रभाव में आएगा। सीएक्यूएम के निर्देशों के तहत दिल्ली और एनसीआर के पेट्रोल पंपों पर जहां कैमरे लगे हैं या फिर लगाए जाएंगे, वो वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन करके उनकी उम्र और पॉल्यूशन नॉर्म्स की जानकारी जुटाएंगे। इस कैमरा सिस्टम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रतिबंधित वाहन फ्यूल न भरवा सकें। इसके अलावा 01 नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-6 मानक से नीचे के पेट्रोल और डीज़ल पर चलने वाले गैर-जरूरी कमर्शियल वाहनों, जिनका पंजीकरण दिल्ली के बाहर हुआ है, उनकी दिल्ली में एंट्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। यह कदम दिल्ली की हवा को साफ़ रखने के लिए उठाया गया है। हालांकि, ऐसे गैर-बीएस 6 कमर्शियल वाहन जो खाद्य सामग्री, दवाइयां या अन्य ज़रूरी सेवाएं लेकर दिल्ली में आते हैं, उन्हें थोड़ी राहत दी गई है। लेकिन इस श्रेणी के वाहनों पर भी 31 अक्टूबर 2026 से दिल्ली में प्रवेश पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। सीएक्यूएम का यह आदेश राजधानी और एनसीआर में प्रदूषण कम करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा और सख़्त कदम माना जा रहा है। इसका असर दिल्ली के लाखों वाहन मालिकों पर पड़ेगा और फ्यूल स्टेशन पर निगरानी की तकनीक में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

आतिशी ने किया किराड़ी में सामुदायिक भवन का शिलान्यास, बोलीं नहीं रुकेगा विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने गुरुवार को अमन विहार किराड़ी में सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया। आतिशी ने कहा कि 10 साल पहले तक पार्टियों ने किराड़ी को सिर्फ वोटबैंक समझा और कच्ची कॉलोनी कहकर नजरअंदाज किया। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रवासी भाइयों-बहनों के दर्द को समझा और यहां स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, सीवर लाइन जैसी जरूरी सुविधाएं दीं। आज भले ही आप विपक्ष में है, लेकिन किराड़ी का विकास नहीं रुकेगा। इस मौके पर मेयर महेश कुमार खींची, डिप्टी मेयर रविंद्र भारद्वाज, किराड़ी के विधायक अनिल झा, स्थानीय पार्षदों सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आतिशी ने अमन विहार वार्ड-41 में सामुदायिक भवन/बारात घर का शिलान्यास कर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि एक बारात घर कहने को तो सिर्फ एक बिल्डिंग या ईंट-पत्थर का ढांचा होता है, लेकिन यह एक समाज का दिल होता है, जहां पूरा समाज और आसपास के परिवार एकत्रित होते हैं।

मेयर चुनाव का वहिष्कार करेगी आप : शैली ओबेरॉय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को होने वाले दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करने का एलान किया है। पार्टी का कहना है कि उसके पार्षद मेयर और डिप्टी मेयर के लिए कल होने वाले मतदान में भाग नहीं लेंगे। पार्टी ने इस बार इन पदों के लिए कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। मुकाबला इस बार भाजपा और कांग्रेस के बीच है। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। दिल्ली की पूर्व मेयर शैली ओबेरॉय, नेता सदन मुकेश गोयल और पार्षद अंकुश नारंग ने पार्टी मुख्यालय पर गुरुवार को प्रेसवार्ता कर बहिष्कार की जानकारी दी।

शैली ओबेरॉय ने कहा कि शुक्रवार को एमसीडी मेयर का चुनाव होने जा रहा है। आप शुक्रवार को होने वाले मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव का पूरी तरह से वहिष्कार करेगी। इस बार आप मेयर व डिप्टी मेयर चुनाव में भाग नहीं लेगी। अब दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार होगी। केंद्र व राज्य के अलावा अब एमसीडी में भी भाजपा का बहुमत है। हमें उम्मीद है कि भाजपा जनता से किए अपने सारे वादों को पूरा करेगी और कोई भी बहाना नहीं बनाएगी। आप विपक्ष की भूमिका बड़ी रचनात्मक तरीके से निभाएगी और भाजपा को उसकी जवाबदेही तय करेगी।
नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में एमसीडी की आप की सरकार ने दिल्ली की जनता के लिए जो भी योजनाएं लेकर आई, उसे भाजपा के दबाव में निगमायुक्त ने रद्दी की टोकरी में डाल दिया। हम हाउस टैक्स का प्रस्ताव लाए। इसमें दिल्ली की जनता को छूट थी कि 100 गज से कम के मकान का हाउस टैक्स माफ होगा और 100 से 500 वर्ग गज तक का हाउस टैक्स आधा होगा। यह दिल्ली की जनता को बहुत बड़ी राहत देने की बात थी। यह प्रस्ताव हाउस से पास हुआ। इसके बावजूद भाजपा के दबाव में कमिश्नर ने इसे लागू नहीं किया। इसके अलावा हमने विभिन्न विभागों के 12 हजार कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया और इसके लिए बजट का प्रावधान किया। इसके बाद भी निगमायुक्त इसपर कुछ नहीं किया।
मुकेश गोयल ने कहा कि हमारी पार्टी ने महापौर और उपमहापौर के चुनाव में उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है। इसलिए आप शुक्रवार को मेयर चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। भाजपा को अब सत्ता मिलने जा रही है। उनका मेयर बनने जा रहा है। दिल्ली की जनता से भाजपा ने जो वादे किए है और जो प्रस्ताव हाउस से पास हुए हैं। उनको लागू करवाने की जिम्मेदारी अब भाजपा की है।
इस दौरान पार्षद अंकुश नारंग ने कहा कि हाउस टैक्स में छूट की प्रस्ताव सदन से पास होने के बाद भी निगमायुक्त की टेबल पर धूल फांक रही है। आप सदन में जनता की आवाज है। जनता के हित में ही आप ने मेयर चुनाव का वहिष्कार करने फैसला लिया है।

जेएनयू की प्रेसिडेंशियल डिबेट में एबीवीपी उम्मीदवार ने पहलगाम में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

-एबीवीपी उम्मीदवार शिखा स्वराज ने कहा, टुकड़े-टुकड़े मानसिकता वाले संगठन आज खुद टुकड़ों में बंटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव में बुधवार देर रात प्रेसिडेंशियल डिबेट का आयोजन हुआ। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के केंद्रीय पैनल से अध्यक्ष पद उम्मीदवार एवं एबीवीपी जेएनयू की इकाई मंत्री शिखा स्वराज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने भाषण की शुरुआत की।
उन्होंने तीखा सवाल उठाया कि जब कुछ लोग आतंकवाद का कोई धर्म नहीं मानते, तो वे यह क्यों नहीं बताते कि हमलावरों का धर्म और उनकी पहचान क्या थी। उन्होंने कोलकाता, संदेशखाली और मुर्शिदाबाद की महिलाओं और वहां के हिन्दू समाज की पीड़ा की ओर ध्यान खींचते हुए कहा कि वे इस मंच के माध्यम से उन सभी की आवाज बनकर आई हैं।
शिखा स्वराज ने जेएनयू के वामपंथी संगठनों की विचारधारा और कार्यशैली पर कठोर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि इस कैंपस में अब दो विचारधाराएं आमने-सामने खड़ी हैं – एक तरफ वामपंथी, जो आपस में ही उलझे हैं और दूसरी तरफ एबीवीपी, जो राष्ट्रवाद, छात्र सेवा और समर्पण की प्रतीक है।
उन्होंने भरोसा जताया कि वह दिन दूर नहीं जब लाल झंडों द्वारा फैलाया गया अंधकार छटेगा और एबीवीपी की प्रेरणा से यह परिसर फिर से राष्ट्रध्वज के गौरव से पूर्णतः आलोकित होगा। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा को याद करते हुए कहा कि जब सब अपनी जान की परवाह कर रहे थे, तब एबीवीपी के कार्यकर्ता छात्रों की मदद में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि आज यदि इस विश्वविद्यालय में वाई-फाई, ई-रिक्शा, बराक छात्रावास और छात्र सुविधाएं उपलब्ध हैं तो वह एबीवीपी के संघर्षों की ही देन है। वहीं वामपंथी संगठनों को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें न छात्रों की समस्याओं से सरोकार है, न सुविधाओं से उनका सारा ध्यान केवल लेनिन, स्टालिन और मार्क्स की विचारधारा को बनाए रखने में है। यह टुकड़े-टुकड़े मानसिकता वाले संगठन आज खुद आपस में टुकड़ों में बंट चले हैं, लेकिन इनका अगर बस चले तो यह पूरे भारत को टुकड़ों में बांट दें। शिखा स्वराज ने अपने भाषण में बिहार की गौरवशाली परंपरा को स्मरण करते हुए कहा कि यह वही धरती है जिसने भारत को सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य और उनकी नीति के निर्माता आचार्य चाणक्य जैसे महापुरुष दिए। इसी मिट्टी से महावीर की तपस्या, कर्पूरी ठाकुर का सामाजिक न्याय, रामधारी सिंह दिनकर की ओजस्वी कविता और दशरथ मांझी जैसा अटूट संकल्प उपजा, मैं उसी धरती से आती हूं।

विश्व हिंदू परिषद ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए किया यज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों के नरसंहार के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने आज दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित आर्य समाज मंदिर में 'राष्ट्र रक्षा यज्ञ' का आयोजन किया। इस यज्ञ का उद्देश्य हुतात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करना है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, हमलावर आतंकियों और उनके पैरोकार पाकिस्तान को सबक सिखाने का कार्य हमारे देश के नेतृत्व ने प्रारंभ कर दिया है। अब सभी देशवासियों को अपने आसपास के जिहादी तत्वों को पहचानकर उन्हें बेनकाब करना होगा। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ निंदा करने से काम नहीं चलेगा। हमें हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने होंगे। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहेय सबने श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा और सरकार के साथ खड़े होकर दोषियों को दंड दिलाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कश्मीर की जनता अब अलगाववादियों के खिलाफ : बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है पहलगाम में आतंकियों के हमले से पूरे देश में गुस्सा है और हर भारतीय इस घटना में उन लोगों के साथ खड़ा है जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है। बिधूड़ी ने कहा कि भारत सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आतंकवादियों का समर्थन करने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को बख्शेंगे नहीं। बिधूड़ी ने कहा कि अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटन उद्योग जिस तरह बढ़ रहा है, वह भारत विरोधियों को रास नहीं आ रहा। इसीलिए पर्यटकों पर हमला किया गया है ताकि लोगों में खौफ पैदा हो जाए।

उपराज्यपाल के मॉडल गांव कुतुब गढ में डीसी नरेला जोन के सामने खुली भ्रष्टाचार की पोल

-दिल्ली नगर निगम के नांगल ठाकरान वार्ड के कुतुब गढ़ गांव में मिट्टी पर सीमेंट कंक्रीट डाल बना दीं गलियां, सीमेंट कंक्रीट की क्वालिटी में टेंडर शर्तों की उड़ाई धज्जियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के नांगल ठाकरान वार्ड (नरेला जोन) में करोड़ों रूपये के भ्रष्टाचार की पोल बृहस्पतिवार 24 अप्रैल 2025 को गांव कुतुब गढ़ में खुल गई। जब यह घोटाला सामने आया तो दिल्ली नगर निगम नरेला जोन के उपायुक्त राकेश कुमार मौके पर मौजूद थे। गांव की नवनिर्मित ज्यादातर गलियां टेंडर शर्तों का सरेआम उल्लंघन कर मिट्टी के ऊपर सीमेंट कंक्रीट डालकर कर बना दी गई हैं। भ्रष्टाचार में शामिल गठजोड़ पर लालच इस कदर हावी था कि उनको इतनी भी परवाह नहीं थी कि उत्तर पश्चिम दिल्ली जिला की बवाना विधानसभा का कुतुबगढ़ गांव दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के सक्सेना द्वारा बनाया गया पहला 'मॉडल विलेज' है।
उपराज्यपाल श्री सेक्सना को एक्स/ट्वीटर पर शिकायत भेजने के बाद प्रशासन की नींद टूटी। दिल्ली सरकार के मंत्री तथा बवाना से विधायक श्री रविन्द्र इंदराज ने भी इस मामले में डीएम उत्तर पश्चिम जिला तथा डीसी नरेला जोन को मौके पर जांच करने के निर्देश दिये थे। पीड़ादायक तो ये हैं कि प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के तहत मिले बजट को ही भ्रष्टतंत्र ने अपनी तिजोरियों में भर लिया। बृहस्पतिवार 24 अप्रैल 2025 दोपहर को डीसी नरेला जोन राकेश कुमार कुतुब गढ़ गांव पहुंचे। शिकायतकर्ता आनंद राणा (अध्यक्ष, यूनिटी फॉर डवलपमेंट) ने कुछ दिन पहले बनी सीमेंट कंक्रीट की वे गलियां डीसी नरेला जोन को दिखाई। डीसी राकेश कुमार ने अपने सामने ही नवनिर्मित गली की खुदाई करवाई तो सीमेंट कंक्रीट के नीचे मिट्टी ही मिट्टी मिली। डीसी साहब ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से सवाल किये तो किसी भी अधिकारी के सामने खुलेआम किये गये घोटाले को छुपाने के लिए कोई जवाब नहीं था। टेंडर नियमों की खुलकर धज्जियां उड़ाई गई हैं। सीमेंट कंक्रीट की क्वालिटी और मोटाई में भी घपला सामने आया है।
कुतुब गढ़ गांववासी इस घोटाले को लेकर आक्रोशित हैं। मॉडल गांव के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। गांववासियों को उम्मीद है कि उपराज्यपाल श्री वीके सक्सेना भ्रष्टाचार में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे ताकि भविष्य में कोई भ्रष्ट गठजोड़ विकास कार्यों की धनराशि को लूटने की हिम्मत न जुटा पाये। कुतुब गढ़ गांववासी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह को भी हस्ताक्षर अभियान चलाकर इस घोटाले की शिकायत भेजेंगे।

आतंकी हमले का देना चाहिए मुहंतोड़ जवाब : दीपक शर्मा

-पर्यटकों को घाटी से दूर कर रहा है हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर.डब्लू.ए.रामनगर के संस्थापक अध्यक्ष दीपक शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दीपक शर्मा ने कहा भोले भाले बेकसूर नागरिकों के खिलाफ हमले किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य हैं। उल्लेखनीय है कि आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर कश्मीर के पहलगाम में फेमस टूरिस्ट प्लेस बैसरन घाटी में हमला किया था। इस दौरान आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद यह घाटी में सबसे घातक हमला है। हमले में मारे गए 26 लोगों में 2 विदेशी, यूएई और नेपाल से थे, 2 स्थानीय लोग भी इसमें मारे गए हैं। दीपक शर्मा ने कहा ने कहा कि केंद्र सरकार सुनिश्चित करे सुरक्षा बल जल्द से जल्द जघन्य अपराध के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़े, क्योंकि देश आतंकवाद किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। लगातार आतंकवादी घटनाओं की पुनरावृति में निर्दोष लोगों की जान जाना सुरक्षा के नजरिए से बहुत शर्मनाक है। दीपक शर्मा ने कहा कि केंद्रीय और जम्मू कश्मीर की दोनों सरकारों को घाटी में स्थिति को सामान्य करने के लिए पूर्ण समन्वय के साथ काम करना चाहिए, क्योंकि यह आतंकवादी हमला न केवल पर्यटकों को घाटी से दूर कर रहा है, बल्कि कश्मीर के लाखों लोगों की आजीविका खत्म कर रहा है, जिसका प्रभाव देश भर में पड़ेगा। दीपक शर्मा कहते हैं अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यह सबसे बड़ा जानलेवा हमला है। यह हमला तब हुआ है, जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर सऊदी अरब में थे, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस चार दिवसीय दौरे पर भारत में हैं और कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के आर्मी प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने हिन्दू और मुसलमानों के बीच फ़र्क़ बताते हुए कहा था कि दुनिया की कोई ताक़त कश्मीर को पाकिस्तान से अलग नहीं कर सकती है। पीएम मोदी को सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़ना पड़ा है।

संक्षिप्त डायरी

45 जिलों मे लू का अलर्ट... अगले दो दिन पारा रहेगा हाई

लखनऊ/ भव्य खबर । उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का सितम जारी है। प्रदेश के पूरब और पश्चिम दोनों संभागों में रूखे व गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप ने लोगों को बेहाल कर रखा है। आधे से ज्यादा जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। इस बीच मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए प्रदेश के लगभग 45 दिनों में लू चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। बृहस्पतिवार से प्रदेश में चल रही पछुआ की रफ्तार मद्धिम पड़ी। हालांकि पछुआ ने हवाओं में मौजूद नमी को बेहद कम कर दिया। इसके असर से धूप की तल्खी बढ़ी है और गर्मी ने दोबारा जोर पकड़ा है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो दिन प्रदेश के पूर्वी, दक्षिणी और बुंदेलखंड के इलाकों में हीट वेव की परिस्थितियां हैं। इसके बाद एक नए विकसित होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में तात्कालिक तौर पर बदलाव देखने को मिलेगा । बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में लू चलने की संभावना बनी हुई है।

सीएम योगी ने दी बेटियों को सौगात, अब 3 लाख वार्षिक आय वाले भी सामूहिक विवाह योजना के पात्र

लखनऊ/ भव्य खबर । सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित 2 लाख रुपये वार्षिक आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह योजना वंचित वर्ग के लिए बड़ा संबल बनी है। ज्यादा से ज्यादा परिवार योजना से लाभान्वित हों इसके लिए पात्रता के लिए निर्धारित अधिकतम वार्षिक आय सीमा को बढ़ाना जरूरी है। वे बृहस्पतिवार को समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के तहत पात्र नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इसमें से 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में जमा किए जाएं, नवविवाहित जोड़े को 25 हजार रुपये के उपहार दिए जाएं और शेष 15 हजार रुपये वैवाहिक समारोह में व्यय हों। उन्होंने इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। वृद्धावस्था पेंशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र वृद्धजन पेंशन से वंचित न रहें। योजना के और बेहतर क्रियान्वयन के लिए इसे फैमिली आईडी से जोड़ा जाए। फैमिली आईडी से जुड़ने के बाद पात्रता की श्रेणी का कोई भी निराश्रित वृद्धजन जैसे ही 60 वर्ष का होगा, उसे तत्काल पेंशन की राशि मिलने लगेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को फैमिली आईडी से वृद्धावस्था पेंशन कवरेज बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

महिलाओं की आपत्तिजनक फोटो अपलोड की, केस दर्ज, एक गिरफ्तार

लखनऊ/ भव्य खबर । ठाकुरगंज निवासी महिला के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उनकी फोटो को अपलोड कर गंदे कमेंट किए गए। वहीं, गोसाईंगंज निवासी युवती की आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ठाकुरगंज निवासी महिला के मुताबिक, छह माह से बालागंज निवासी अंकित उनकी देवरानी को परेशान कर रहा था। देवरानी की शिकायत पर उन्होंने अंकित का विरोध किया। आरोप है कि अंकित ने उनके नाम से फर्जी आईडी बनाकर उनकी फोटो अपलोड कर आपत्तिजनक शब्द लिखे। उन्होंने आरोपी के खिलाफ ठाकुरगंज थाने में केस दर्ज कराया है।

वाहनों से डीजल चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

उन्नाव/ भव्य खबर । पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना पुरवा पुलिस की सयुंक्त टीम द्वारा वाहनो से डीजल चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को चोरी मे प्रयुक्त कार, 14150/- रु0 व 05 खाली पिपिया बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना पुरवा पुलिस की सयुक्त टीम द्वारा अभियुक्तगण 1.अतुल सिंह पुत्र शिवबहादुर सिंह निवासी ग्राम मनऊखेड़ा थाना बिहार जनपद उन्नाव 2.आशेन्द्र सिंह पुत्र कुंवर बहादुर सिंह निवासी ग्राम मनऊखेड़ा थाना बिहार के कब्जे से मारुती सुजुकी स्विफ्ट कार नं0- वढ 78 इङ 6366 (परिवर्तित नम्बर) वास्तविक नम्बर- वढ35इङ6301 व 05 खाली पीपे एवं चोरी के डीजल बिक्री का पैसा 10,000/- रु0 (अभियुक्त अतुल सिंह उपरोक्त के कब्जे से) व चोरी के डीजल बिक्री का पैसा 4,150/- रू0 (अभियुक्त आशेन्द्र सिंह उपरेक्त के कब्जे से) बरामद कर ग्राम ऊंचगांव से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना पुरवा पर मु0अ0सं0-85/25 धारा 316(2),318(2),338,336(3),340 इठर पंजीकृत किया है।

पूरी शक्ति से आतंक के विषैले फनों को कुचला जाएगा: सीएम योगी

पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी के अंतिम दर्शन करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

- *सीएम योगी ने शुभम के पार्थिव शरीर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, पत्नी से सुनी आतंकी घटना की पूरी आपबीती*

कानपुर(एजेंसी) : पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी का गुरुवार को ड्योढ़ी घाट पर हजारों लोगों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर के लाल को अंतिम विदाई दी। परिवार को सांत्वना देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह शुभम के हाथीपुर (कानपुर) स्थित आवास पर पहुंचे और वहां उन्होंने शुभम के पार्थिव शरीर को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता से बातचीत की और उनकी पत्नी से पूरी आपबीती सुनी। परिवार को ढांढस बंधाने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पहलगाम में घटी आतंकी घटना क्रूर, वीभत्स और कायराना है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने परिवार समेत पूरे प्रदेश और देश के लोगों को भरोसा जताया कि यह सरकार आतंकी और उग्रवादी घटनाओं को जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है और जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है पूरी शक्ति से आतंक के इन विषैले फनों को कुचला जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग इस साजिश का हिस्सा बने हैं, उन्हें परिणाम भुगतना होगा और आप सभी इसके साक्षी बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू मां बहनों के साथ उनके सामने ही उनके सिंदूर के साथ जो बर्बरता की गई है, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को उसकी सजा जरूर मिलेगी। इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए।

आतंक के ताबूत में अंतिम कील ठोकने की हुई शुरूआत

शुभम के परिजनों को सांत्वना देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर जो आतंकी हमला हुआ है उसमें कानपुर का नौजवान शुभम द्विवेदी भी शिकार हुआ है। यह हमला एक क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है जिसकी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने निंदा की है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर उनकी जाति और धर्म पूछकर हमला किया गया और बहन बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा गया। यह कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की जो नीति रही है वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरूआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में बुधवार को सीसीएस की बैठक में कड़े निर्णय लिए गए हैं। गृह मंत्री जी ने स्वयं उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां यह घटना घटी है। आगे की रणनीति के साथ ही आतंकवाद और उग्रवाद के खात्मे के लिए अब पूरा भारत आगे बढ़ा है। आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति भारत की जो जीरो टॉलरेंस की नीति है, पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास करना चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस से कार्य कर रही है डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुभम द्विवेदी परिवार का एकमात्र पुत्र था। 2 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। हम सभी दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हैं और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। इस घड़ी में पूरा देश इस अमानवीय और बर्बर कृत्य की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार पूरे परिवार के साथ खड़ी है। याद रखना यह डबल इंजन की सरकार है और यह सरकार किसी भी बर्बर और अमानवीय आतंकी घटना को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य करना जानती है। यह वो सरकार नहीं जो आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेती हो या वहां भी अपना वोट बैंक देखती हो।

सीएम योगी ने परिवार के साथ बांटा दर्द

मालूम हो कि शुभम का शव बुधवार रात को लखनऊ और फिर देर रात कानपुर पहुंचा। सीएम योगी के निर्देश पर शुभम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से किए जाने की व्यवस्था की गई। इस दुख की घड़ी में सीएम योगी भी परिवार के लोगों का दुख दर्द बांटने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता और फिर पत्नी से बातचीत की और पूरी आपबीती सुनी। शुभम की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी, मंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत विधायक और अधिकारीगण मौजूद रहे।

बुलंदशहर में पकड़ी गई नशे की बड़ी खेप: 45 लाख की स्मैक व कट पाउडर के साथ तस्कर गिरफ्तार

बुलंदशहर (एजेंसी) : बुलंदशहर के थाना नरौरा पुलिस व स्वाट देहात टीम ने एक शातिर तस्कर बदायूं निवासी शादाब को 592 ग्राम स्मैक और करीब 500 ग्राम कट पाउडर के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से बरामद स्मैक और कट पाउडर की बाजार में कीमत करीब 45 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हजारा नहर के पास से पकड़ा है। साथ ही पूछताछ के बाद आरोपी का चालान कर दिया गया है kएसपी देहात डा. तेजवीर सिंह ने बताया कि जिले में अपराधों पर अंकुश लगाए जाने के लिए अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार रात नरौरा पुलिस और स्वाट टीम देहात ने हजारा नहर के पास चेकिंग अभियान शुरू किया। इस दौरान उन्होंने श्मशान घाट जाने वाले रास्ते से एक संदिग्ध को रोका, लेकिन आरोपी भागने की कोशिश करने लगा। हालांकि, पुलिस टीमों ने आरोपी को कुछ दूरी पर ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में आरोपी के पास से एक बैग के अंदर से 592 ग्राम स्मैक, 500 ग्राम कट पाउडर और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए आरोपी की पहचान सादाब निवासी नेथू थाना अलापुर जनपद बदायूं के रूप में हुई। आरोपी ने खुलासा किया कि बरामद नशीले पदार्थ को नरौरा, बुलंदशहर एवं आसपास क्षेत्र में सप्लाई करने के लिए लाया था, ताकि उससे मोटी कमाई की जा सके। इलेक्ट्रॉनिक कांटे से निर्धारित वजन में स्मैक तोलकर दी जाती थी। एसपी देहात ने बताया कि आरोपी का पूछताछ कर चालान कर दिया गया है।

आरोपी के लिंक खंगाल रही पुलिस, जल्द और भी होंगी गिरफ्तारी

वहीं, पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो सामने आया कि उसे यह नशीले पदार्थ यूपी में ही एक स्थान से उपलब्ध हो जाते हैं। उसे इन्हें सप्लाई करने के लिए एक नियत स्थान और एक कोडवर्ड दिया जाता है। जिसके बाद वह उक्त नियत स्थान पर पहुंच कर संबंधित व्यक्ति से कोडवर्ड मिलने के बाद माल की सप्लाई करता है। पुलिस अब आरोपी माल कहां से लाता था और कहां-कहां अब तक किस-किस को सप्लाई कर चुका है, इन सभी लिंकों को खंगाल रही है। अधिकारियों का दावा है कि इस प्रकरण में जल्द ही और भी गिरफ्तारियां होंगी।

महिला टप्पेबाजों ने 10 लाख के जेवर और नकदी पार कर दी

लखनऊ(एजेंसी) : : इंदिरानगर निवासी भागवत यादव की पत्नी यशोधरा देवी के महिला टप्पेबाजों ने दस लाख के जेवर और छह हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने गाजीपुर थाने में एक युवती व तीन महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। भागवत यादव के मुताबिक 12 अप्रैल को वह पत्नी के साथ सुबह 11 बजे ई-रिक्शा से बैंक ऑफ बड़ौदा बी-ब्लाक घोसपुरा शाखा जाने के लिए निकले थे। पत्नी के पास एक बैग था, जिसमें दस लाख के जेवर और छह हजार रुपये थे। मुंशी पुलिया चौराहे पर वह और पत्नी उतर गई। इसके बाद वे वहीं दूसरे ई रिक्शे पर सवार हुए। ई रिक्शे पर पहले से एक युवती और महिला पीछे बैठी हुई थी। जबकि एक आठ वर्षीय बच्ची चालक के बगल में बैठी थी। इरम कॉलेज पहुंचने पर युवती उतर गई और दो महिलाएं ई रिक्शे पर सवार हो गईं। बैंक आने पर भागवत और उनकी पत्नी भी उतर गईं। वहां यशोधरा ने जब अपना बैग देखा तो पता चला कि चेन खुली हुई थी और उसमें रखे जेवर और नकदी गायब थी। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय के मुताबिक केस दर्ज किया गया है। बताए गए रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार बंधन बैंक के मैनेजर की मौत

जालौन (एजेंसी) : बाइक सवार बंधन बैंक के मैनेजर को बुधवार रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने पर वाहन उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। इससे उनकी घटनास्थल पर मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। झांसी के कस्बा समथर निवासी अभिषेक व्यास (32) बबीना स्थित बंधन बैंक में मैनेजर थे। बुधवार को वह उरई में शादी होने पर बाइक से आ रहे थे। जैसे ही बाइक रात करीब 11 बजे रात एट थाना क्षेत्र के सोमई पावर हाउस के पास पहुंची तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी और रौंदते हुए निकल गया। इससे उनकी मौत हो गई। राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने उसके भाई आशीष को इसकी जानकारी दी। आशीष ने बताया कि उनके एक तीन साल की बेटी है। उनकी मौत से पत्नी गायत्री व अन्य परिजन रो-रोकर बेहाल है। थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि हेलमेट लगाए थे पर वाहन के रौंदते हुए निकल जाने से मौत हो गई। वाहन की तलाश की जा रही है।

दुष्कर्म की लगाई गई कीमत, वो भी इतनी... पीड़िता थाने पहुंची तो पंचायत में बुलाकर सुना दिया फरमान

रोहटा (एजेंसी) : सरूरपुर थानाक्षेत्र के एक कस्बे में एक किशोरी से युवक ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। किशोरी ने शादी का दबाव बनाया तो युवक उसे एक स्थान पर ले गया। यहां दोस्त संग उससे दुष्कर्म किया। उसकी वीडियो बनाई। किसी को बताने व कार्रवाई पर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी दी। डरी सहमी किशोरी पांच दिन तक घटना को दबाए रखी। बाद में स्वजन को बताया। स्वजन थाने पहुंचे। आरोपितों के खिलाफ दुष्कर्म की तहरीर दी। इसी बीच कस्बे के कुछ जिम्मेदार थाने पहुंच गए ओर पंचायत में न्याय दिलाने की बात कहकर साथ ले गए। पुलिस ने भी किशोरी को उनके साथ भेज दिया। पंचायत में आरोपितों को दुष्कर्म का दंड साढ़े चार लाख रुपया देने का फरमान सुनाया गया। इसके बाद पीड़िता को रुपया देकर दोनों पक्षों का समझौता करा दिया गया। पंचायत का यह फैसला कस्बे में चचाओं का विषय बना हुआ है। पुलिस अब कह रही है, तहरीर मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

चार माह से दुष्कर्म कर रहा था आरोपी

सरूरपुर कस्बा निवासी किशोरी ने बताया कि पास का ही एक युवक शादी का झांसा देकर उसके साथ चार माह से दुष्कर्म कर रहा था। छह दिन पहले आरोपित उसे साथ लेकर दोस्त के यहां गया। वहां उसे दोस्त के हवाले कर दिया गया। दोनों ने दुष्कर्म किया। किशोरी को किसी को नहीं बताने की धमकी दी। पांच दिन तक किशोरी पूरी घटना को स्वजन से छिपाए रही। इसके बाद वह रोने लगी तो स्वजन ने कारण पूछा। किशोरी ने पूरा किस्सा बता दिया। सोमवार दोपहर स्वजन किशोरी संग थाने पहुंच गए। कुछ देर बाद ही गांव के काफी संख्या में जिम्मेदार वहां पहुंच गए। पंचायत में फैसला करने की बात कहकर पीड़िता व स्वजन को साथ ले गए। बुधवार को कस्बे में लंबी पंचायत चली। काफी समझाने मनाने के बाद पंचायत ने फैसला सुनाया। इसमें आरोपित पक्ष को पीड़ित पक्ष को 4.50 लाख रुपये देने को कहा गया। पीड़ित पक्ष को कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही पंचायत ने दुष्कर्म के मामले का पटाक्षेप कर दिया। थाना प्रभारी अजय शुक्ला ने कहा, पीड़िता थाने पहुंची। बिन बताए वह तथा स्वजन चले गए। पीड़िता तहरीर देगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हवाई किराये में भारी वृद्धि, अखिलेश यादव बोले- ये अमानवीय और घोर निंदनीय है

- *उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हवाई किराये में भरी वृद्धि को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा श्रीनगर से हवाई किराये में बेतहाशा वृद्धि का समाचार अमानवीय और घोर निंदनीय है। ऐसी...*

लखनऊ(एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हवाई किराये में भरी वृद्धि को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा श्रीनगर से हवाई किराये में बेतहाशा वृद्धि का समाचार अमानवीय और घोर निंदनीय है। ऐसी त्रासदी के समय पर्यटकों से मनमाना किराया वसूलना किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। सरकार स्पष्ट करे कि ह्यबेतहाशा किराया वसूलीह्न के मामले में सरकार की कोई जिम्मेदारी बनती है या नहीं। किराये से संबद्ध टैक्स तो सरकार के पास ही जाता है, इसका मतलब तो जनता यही समझती है कि ये सब सरकार की मिलीभगत से हो रहा है। घोर आपत्तिजनक! घोर निंदनीय!

मांग के आधार पर बढ़ता-घटता रहता है

आप को बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद श्रीनगर से बाहर जाने वाली उड़ानों के किराए में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। गुरुवार को श्रीनगर-नई दिल्ली का किराया 29 हजार रुपये पार कर गया है जो आम तौर पर अधिकतम 10-12 हजार रुपये रहता है। एयरलाइंस का कहना है कि किराया मांग के आधार पर बढ़ता-घटता रहता है।

विमानन कंपनियां आपदा में अवसर तलाशने की कर रही कोशिश

हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब विमानन कंपनियों ने आपदा में अवसर तलाशने की कोशिश की है। पूर्व में भी कई बार राष्ट्रीय आपदा आने या त्योहारों के समय विमानन कंपनियां कुछ खास रूट पर इसी तरह से बेहिसाब किराया बढ़ा देती हैं।

ज्यादा किराया न लें विमान कंपनियां- राममोहन नायडू

इससे पहले दोपहर में नागरिक विमानन मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि श्रीनगर से पर्यटकों को बाहर निकालने के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी। विमानन कंपनियों से कहा गया है कि वह किराये को नियंत्रण में रखें ताकि लोगों पर ज्यादा आर्थिक बोझ न पड़े। नागरिक विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि विमानन कंपनियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वह ज्यादा किराया न लें। नायडू ने यह भी कहा है कि वह व्यक्तिगत तौर पर नजर रख रहे हैं और इस बारे में लगातार गृह मंत्रालय व एयरलाइनों के साथ संपर्क में हैं।

पहलगाम में मारे गए आईबी अफसर का अंतिम संस्कार

रांची में दी गई श्रद्धांजलि, आतंकियों ने पत्नी-बच्चों के सामने मारी थी गोली

सासाराम। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। हमले में बिहार के रहने वाले मनीष रंजन भी मारे गए। मनीष पिछले 2 सालों से क्व के हैदराबाद ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर के पद पर पोस्टेड थे। परिवार का कहना है कि उनकी पहली नौकरी एक्साइज इंस्पेक्टर के तौर पर थी, बाद में IB अफसर बने। हालांकि, सरकार की लिस्ट में उन्हें एक्साइज इंस्पेक्टर बताया गया है। मनीष का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह 9 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर पूर्व सीएम बाबू लाल मरांडी ने मनीष को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पार्थिव शरीर CRPF कैंप लाया गया, जहां जवानों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उसके बाद परिवार एम्बुलेंस से पार्थिव शरीर को लेकर पश्चिम बंगाल स्थित झालदा के लिए निकल गए। मनीष का पार्थिव शरीर दोपहर 12 बजे पश्चिम बंगाल के झालदा पहुंचेगा। यहीं अंतिम संस्कार होगा। झालदा में ही मनीष के पिता मंगलेश मिश्रा हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक थे। कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं। अब यहीं उनका परिवार रहता है। मनीष के चाचा आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद मुश्किल से बहू जया से बात हुई। वह कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थी। बताया कि, 'अंतिम वक्त तक मनीष ने उसकी और बच्चों की जान बचाने की कोशिश की। फायरिंग की आवाज सुनते ही कहा कि, तुमलोग जल्दी कहीं छिप जाओ। उसके बाद आतंकियों ने नाम पूछा और मनीष को गोली मार दी।' पूरा परिवार कश्मीर घूमने गया था। मनीष रोहतास के अरूहीं गांव के मूल निवासी थे। वे हैदराबाद में आईबी अधिकारी थे। 30 अप्रैल को औरंगाबाद के बेलाई में रिश्तेदार की शादी में आने वाले थे। अरूहीं में चाचा-चाची रहते हैं। तीन भाई में मनीष बड़े थे। मंझले विनीत झारखंड में उत्पाद इंस्पेक्टर हैं। छोटा राहुल अंबिकापुर में फूड इंस्पेक्टर हैं। मनीष के बचपन के दोस्त राजीव उनयन बोले- 'ये कायराना हरकत है। सरकार को सख्त एक्शन लेते हुए आतंकियों को नेस्तनाबूद कर देना चाहिए।' मनीष के बचपन के एक अन्य दोस्त विशाल सिंह ने बताया कि 'टीवी पर हमले की खबर देखी, लेकिन मनीष के शहीद होने की जानकारी उनके चाचा से मिली।' मनीष के चाचा आलोक कुमार ने बताया- 'मनीष की शादी इलाहाबाद में साल 2010 में हुई थी। उनकी एक बेटी और बेटा है। मुझे मंगलवार रात 9 बजे टीवी से आतंकी हमले की जानकारी मिली। हम न्याय चाहते हैं। सरकार को आतंकियों को खत्म कर देना चाहिए।' मनीष ने शुरूआती पढ़ाई सासाराम में ही की थी। 2008 में रांची IB में जॉब लगी। 2010 में मनीष की शादी हुई थी। 12 साल का बड़ा बेटा है और 8 साल की लड़की है। मनीष के चाचा आलोक प्रियदर्शी ने बताया- 'मैं भी मनीष के परिवार के साथ कश्मीर जाने वाला था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से नहीं जा सका।'

संक्षिप्त डायरी

3 बदमाशों ने फायरिंग कर की दहशत फैलाने की कोशिश

समस्तीपुर/ भव्य खबर। उजियारपुर थाना क्षेत्र के प्रेमब्रह्मडा गांव में मंगलवार शाम बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक घर के सामने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। घटना शाम करीब 8 बजे की है। गांव के बिनोद सिंह ने बताया कि इसी दिन पहले जमीनी विवाद को लेकर बदमाश पिस्टल लेकर आए थे, जिसका वीडियो भी सामने आया है।उजियारपुर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से कोई खोखा नहीं मिला है, इसलिए मामला संदिग्ध लग रहा है। जिले में अवैध हथियारों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। मुंगेर से आने वाले कट्टे 3 से 5 हजार रुपए में बिक रहे हैं। देसी पिस्टल की कीमत 15 से 20 हजार रुपए है।एक संगठित गिरोह इस धंधे को चला रहा है। पिछले कुछ महीनों में कई गंभीर वारदातें हुई हैं। मार्च में मुसरीघरारी में कुत्ते पर गोली चली। जनवरी में बिथान के सिहमा गांव में ताश के विवाद में धर्मेंद्र कुमार की हत्या हुई।पिछले साल मोहिउद्दीननगर और मुफस्सिल में जमीनी विवाद में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए।अवैध हथियारों की बरामदगी और गिरोहों को किया जा रहा चिह्नितसूत्रों के अनुसार, जिले में कई जगह लोहे के काम की आड़ में मिनी गन फैक्ट्रियां चल रही हैं। सिंघिया थाना क्षेत्र में एक ऐसी फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ और हथियार बनाने के उपकरण जब्त किए गए। इससे पहले हसनपुर ताजपुर बंगरा में भी एक फैक्ट्री पकड़ी गई।एएसपी संजय पांडे ने बताया कि अवैध हथियारों की बरामदगी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हथियार तस्करी करने वाले गिरोहों को चिह्नित किया जा रहा है।

'पत्नी से तंग आ गया हूं, मुझे मरने दो

भागलपुर/ भव्य खबर। अबाबाग लेन में रहने वाले शैले द्र ने पत्नी के अफेयर से परेशान होकर आत्मदाह की कोशिश की है। बुधवार को दोपहर के समय कचहरी चौक पर खुद के शरीर पर पेट्रोल छिड़क लिया। लेकिन आग लगाने से पहले मौके मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। किसी तरह से समझा-बुझाकर उसे शांत कराया।शैलेंद्र ने पत्नी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो मुझे जेल भिजवा देगी। मैं कोर्ट-कचहरी के चक्कर से तंग आ गया हूं। मेरे साथ नहीं रहना चाहती। कम से कम मुझे मेरे बच्चों को सौंप दें। अब मैं झेल नहीं पाऊंगा, मुझे मरने दो।शैलेंद्र ने बताया कि 2011 में प्रियंका से शादी हुई थी। कुछ सालों तक सबकुछ ठीक चला। तीन बच्चे भी हुए। 13 और 11 साल के दो लड़के हैं, जबकि 9 साल की एक बेटी है। मैं रेलवे में प्राइवेट एजेंसी की ओर से स्वीपर का काम करता था। ज्यादा सैलरी नहीं थी। पत्नी बार-बार पैसों की डिमांड करती थी। इसको लेकर अक्सर झगड़ा भी होता था। बाद में प्रियंका ने घरेलू प्रताड़ना का आरोप लगाकर मुझे जेल भिजवा दिया।''दो साल पहले सितंबर 2023 में प्रियंका घर से ज्वेलरी और कैश लेकर फरार हो गई थी। बाद में कोर्ट में तलाक का केस भी फाइल कर दिया। दो साल से कोर्ट में केस चल रहा है। अब मेरी पत्नी और उसके प्रेमी की ओर से लगातार मुझे धमकाया जा रहा है।'2 दिन पहले हुआ था हाई वोल्टेज ड्रामा सोमवार को शैलेंद्र अपनी पत्नी प्रियंका को मानने कोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान प्रियंका के साथ उसकी मां भी आई थी। सास शैलेंद्र को देखते ही भड़क गई थी। दोनों ने जमकर हंगामा किया था। प्रेमी की पहचान कमल उर्फ छोटू पासवान के रूप में हुई है।

5 बदमाशों ने सोने की चेन-अंगूठी और मोबाइल लूटा

सीवान/ भव्य खबर। महराजगंज में अपराधियों ने दिनदहाड़े तेघरा पैक्स अध्यक्ष को लूट लिया। घटना महराजगंज थाना क्षेत्र के आकाशीमोड़ के पास की है। पीड़ित अमरेश कुमार गौतम बंगरा के रहने वाले हैं।अमरेश कुमार ने बताया कि वे अपने घर से महराजगंज जा रहे थे। आकाशीमोड़ के पास दो बाइक पर सवार पांच बदमाश पहले से घात लगाए हुए थे। अपराधियों ने उनके शरीर पर हथियार सटा दिया। उन्होंने धमकी दी कि चेन, अंगूठी और मोबाइल दे दो, नहीं तो गोली मार देंगे।सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस जान जाने के डर से पीड़ित ने बिना शोर मचाए सोने की अंगूठी, चेन और मोबाइल दे दिया। बदमाश बाइक की चाबी भी निकालकर महराजगंज की तरफ भाग गए। घटना पीड़ित के घर से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। अपराधियों के भागने के बाद स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिली।स्थानीय लोगों की मदद से पीड़ित थाने पहुंचे। उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। घर के पास हुई इस लूट की घटना से परिवार में दहशत का माहौल है। महराजगंज थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

घर से बाहर निकलते ही ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

छपरा/ भव्य खबर। भगवान बाजार थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई है। बरहमपुर डी के पास बेकाबू बालू लदे ट्रैक्टर ने राहगीर जमाल खान को कुचल दिया। जमाल खान की मौके पर ही मौत हो गई। वो अपने घर से बाहर जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय लोग और परिजन घायल को छपरा सदर अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। भगवान बाजार थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिसथाना अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि घटना अजबगंज इलाके की है। तेज गति और लापरवाही से चल रहे बालू लदे ट्रैक्टर की टक्कर से यह हादसा हुआ।

जांच में लापरवाही बरतने पर पानापुर थानाध्यक्ष निलंबित

सारण। सारण के पानापुर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विश्वमोहन राम को निलंबित कर दिया गया है। एसएसपी कुमार आशिष ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से पुलिस केंद्र बुलाया गया है। बता दें कि घटना 4 अप्रैल, 2025 की है। जहां पकड़ी गाँव के सुरेश सिंह के लापता होने पर परिजनों ने 7 अप्रैल को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। 16 अप्रैल को मशरख थाना क्षेत्र में एक अज्ञात शव मिला। परिजनों ने इसकी पहचान सुरेश सिंह के रूप में की। 20 अप्रैल को ग्रामीणों ने मुख्य सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) की जांच में पाया गया कि थानाध्यक्ष ने त्वरित जांच नहीं की। उन्होंने न तो तकनीकी जानकारी जुटाई और न ही मानवीय सूचनाएं एकत्र कीं। वे प्राथमिक सूचना दर्ज करने और सामुदायिक संवाद में भी विफल रहे। एसएसपी ने थानाध्यक्ष को सामान्य जीवन-यापन भत्ते पर रखा है। उन्हें 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देना होगा। दोष सिद्ध होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निर्दोष पाए जाने पर उन्हें पदस्थापित किया जाएगा। जिला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

आतंकी हमले पर गरजे केन्द्रीय मंत्री गिरिराज

पटना। प्रधानमंत्री के मधुबनी आगमन को देखते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बिहार के दरभंगा पहुंचे। दरभंगा में बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में पहलगाम में हुए आतंकवदी घटना पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दुःख जताया। वही मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओ पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकी घटना के बाद भी यहाँ कई लोगो की जुबान बंद है जो बड़े ऊँचे शब्दों में देश को ज्ञान बांटा करते थे। इस देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग चुप बैठे हैं। वही प्रधानमंत्री के मधुबनी आगमन पर कहा कि देश का विकास तभी होगा जब पूर्वांचल का विकास होगा और पूर्वांचल में भी मिथिला का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की रेखा खींची है और यह नरेंद्र मोदी का सपना नहीं बल्कि उनका विजन है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुरू से मानना है कि देश के विकास और विकसित राष्ट्र को बनाने के लिए बिहार का विकास जरुरी है और बिहार का विकास बिना पूर्वांचल के विकास नहीं हो सकता। पूर्वांचल के विकास के लिए मिथिला का विकास जरुरी है। पीएम ने कहा कि पूर्वांचल का गेटवे है बिहार, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के मधुबनी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने बिहार में एक विकास की रेखा खींची है, चाहे वह मेडिकल कालेज की बात हो, चाहे फोरलेन सड़क की बात हो, चाहे एम्स के नाम पर हो, चाहे हर जिले में वेन्स के नाम पर हो, चाहे नदियों में पुल देने की बात हो, यह नरेंद्र मोदी का सपना नहीं बल्कि उनका एक विजन है इसलिए कल प्रधानमंत्री का आना तय है अभी तक जब हम बोल रहे है आगे क्या होगा पता नहीं। पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विशेष परिस्थिति में अपना विदेश यात्रा स्थगित कर देश लौट आये हैं। अभी दिल्ली में बैठक चल रही है जैसा निर्णय होगा देश के सामने आएगा। आतंकी हमले पर मै ज्यादा अभी न बोलू वह अच्छा होगा। चूंकि देश के गृह मंत्री तुरंत उस घटनास्थल पहुंच गये, जहां घटना हुई और आकर प्रधनमंत्री को बताये कि क्या हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा को स्थगित कर वापस भारत आ गये, यह बताता है कि गंभीरता क्या है। यह बात जरूर है जो लोग कहते है यहाँ कई लोगो की अभी जुबान बंद है।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने ली पति की जान

नालंदा । राजगीर थाना क्षेत्र के महादेवपुर गांव में एक पति की हत्या के मामले में ऐसा चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी और शव को गांव के पास ही झाड़ियों में बने गड्ढे में दफना दिया। मामला तब खुला जब 29 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली कि कुत्ते झाड़ियों में किसी शव को नोच रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही राजगीर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जमीन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान महादेवपुर निवासी राजीव सिंह उर्फ नागा सिंह (पिता सुरेन्द्र सिंह) के रूप में हुई। पहले यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा था, लेकिन जब पुलिस ने गहराई से जांच शुरू की, तो मामला कुछ और ही निकला।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की निगरानी में गठित विशेष जांच टीम ने जब तकनीकी पहलुओं की जांच की, तो संध्या देवी के मोबाइल की कॉल डिटेल्स और लोकेशन से अहम सुराग मिले। पुलिस को यह स्पष्ट हुआ कि पति की मौत के बाद भी वह अपने पड़ोसी दीपक कुमार उर्फ छोटू से लगातार संपर्क में थी। जब संदेह गहराया, तो पुलिस उसके घर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिली। बाद में उसे नौरंगा गांव से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में संध्या देवी ने पूरे मामले का खुलासा किया और बताया कि उसके दीपक कुमार उर्फ छोटू के साथ अवैध संबंध थे। उसका पति राजीव सिंह शराब पीने का आदी था और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। कुछ दिन पहले भी उसने उसके साथ मारपीट की थी और उसका मोबाइल भी तोड़ दिया था। उसी घटना से आहत होकर उसने दीपक और नीतीश कुमार के साथ मिलकर हत्या की योजना बना डाली।

संध्या देवी ने पुलिस को बताया कि पांच जनवरी को दीपक और नीतीश ने राजीव को शराब पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया। रात में दोनों ने मिलकर राजीव का गला दबा दिया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को गांव के पास झाड़ियों में एक गड्ढे में दफना दिया गया। जब आसपास के लोग राजीव के बारे में पूछते, तो संध्या उन्हें बताती कि वह कुंभ मेले में गया है। राजगीर पुलिस ने संध्या देवी (25) को गिरफ्तार कर लिया है और उसके दोनों सहयोगियों की तलाश में छापामारी कर रही है। इस जघन्य वारदात ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया है। जहां एक ओर अवैध संबंधों और घरेलू हिंसा का खतरनाक मेल सामने आया है, वहीं पुलिस की सक्रियता से एक बड़ी साजिश बेनकाब हो गई है। इस मामले की जांच और छापामारी में डीएसपी सुनील कुमार सिंह, राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार, डीआईयू प्रभारी आलोक कुमार, दरोगा संजीव कुमार सिंह, काजल कुमारी, भानु प्रताप सिंह समेत राजगीर थाना की महिला व पुरुष सशस्त्र बल की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस अब फरार आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी हुई है।

अनियंत्रित पिकअप ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर

मुजफ्फरपुर। जिले में तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप ने सड़क पर चल रहे कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। वहीं, इस हादसे में कई लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह मामला जिले के कांटी थाना क्षेत्र के नरसंडा चौक एनएच-28 के पास का है।जानकारी के मुताबिक, अनियंत्रित पिकअप वैन ने अपना नियंत्रण खो दिया था। इस दौरान उसने एक के बाद एक कई बाइक सवारों को रौंद डाला और उसके बाद डिवाइडर पर जा चढ़ी। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वैन को जब्त कर लिया और चालक को गिरफ्तार कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज गति से आ रही पिकअप वैन अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई। फिर सामने से जा रही कई बाइकों को लगातार टक्कर मार दी। इस दौरान एक बाइक पिकअप के नीचे फंस गई, जिससे वाहन डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर की आवाज सुनकर आस-पास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और भाग रहे पिकअप चालक को पकड़कर जमकर के पिटाई कर दी। उसके बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। इधर, कांटी थाना प्रभारी रामनाथ प्रसाद ने बताया कि पुलिस को एक सूचना मिली थी कि मोतिहारी रोड के नरसंडा चौक के पास एक बेकाबू पिकअप वैन ने एक साथ कई बाइकों को टक्कर मारी है। घटना की सूचना के बाद मौके पर तुरंत पहुंची। फिर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक बार मौका दीजिये, काम नहीं कर पाया तो फिर हटा दीजियेगा

पटना। बिहार विधान सभा चुनाव में अब बहुत कम समय रह गये हैं। लिहाजा सभी पार्टियां अपने वोटर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में हैं। आज सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष ने भी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाया। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी वीर कुंवर सिंह की जयंती के एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने राजपूत वोटरों को साधने की कोशिश की। इस दौरान तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से चुनाव में जीत दिलाने करने के लिए अपील भी की। उन्होंने कहा कि एक बार मौका दीजिये। अगर काम नहीं कर पाया तो फिर पांच साल में हटा दीजियेगा। दरअसल पटना के विद्यापति भवन में वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव मनाया जा रहा था। कार्यक्रम का आयोजन सारण विकास मंच के तहत शैलेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजपूत नेता एमएलसी सुनील सिंह सहित कई दिग्गज राजपूत नेता शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने राजपूत मतदाताओं को महागठबंधन का सपोर्ट करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने एक तरफ वीर कुंवर सिंह की तारीफ की वहीं दूसरी तरफ उन्हीं के नाम पर एनडीए पर निशाना भी साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने अपने देश के लिए लड़ाई लड़ी अपने लोगों के लिए लड़ाई लड़ी, वह कितने लोगों ने किया है, यह बात एनडीए के लोग बताएं। कार्यक्रम के दौरान सुनील सिंह ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर बोला। इस दौरान उन्होंने मंच से ही तेजस्वी यादव से वीर कुंवर सिंह की 80 फीट की मूर्ति बनवाने की मांग की। इसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि 80 फीट की मूर्ति वीर कुंवर सिंह की नहीं बल्कि 80 फीट का सिर्फ घोड़ा होना चाहिए, तब मुझे खुशी मिलेगी। यह बोलते बोलते तेजस्वी यादव ने सत्ता पक्ष पर फिर तंज कस दिया कि मेरी घोषणा सुनकर कहीं वह लोग (एनडीए सरकार) भी तो घोषणा कर देते हैं, यह भी देखना होगा।

निर्दोष लोगों पर हमले से भारत के सब्र का बांध टूटा

केंद्र सरकार का कदम सही: जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कड़े फैसलों को जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने सही करार दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के इन फैसलों से पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की कमर टूट जाएगी और यही उस मुल्क को दिया एक माकूल जवाब है, जो लंबे समय से भारत की सहनशीलता की परीक्षा ले रहा था। राजीव रंजन ने कहा कि जिस बर्बर तरीके से निर्दोष, निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाकर हमला किया गया, वह देश के लिए असहनीय है और अब भारत ने भी अपना सब्र खो दिया है। राजीव ने कहा कि इस हमले में कई परिवारों ने अपने घर के एक या एक से अधिक सदस्य खो दिए, जिससे पूरा देश स्तब्ध है। लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी इंगित किया कि कश्मीर में अब स्थितियां बदल रही हैं। श्रीनगर से लेकर उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र तक, कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में आम जनता आतंकवाद के खिलाफ खुलकर सड़कों पर उतरी है। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक बदलाव करार दिया और कहा कि यह आतंकवाद की कमर तोड़ने वाला जन आंदोलन बन सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ओर से लगातार की जा रही नापाक हरकतों के चलते यह जरूरी हो गया था कि भारत निर्णायक कदम उठाए। भारत सरकार का यह निर्णय, जिसमें वीजा रद्द किए गए, नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया गया और सीमा पर गतिविधियां बंद की गईं, अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भारत ने कभी इतना कठोर निर्णय नहीं लिया था, लेकिन अब समय आ गया है जब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाए। राजीव रंजन ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है और पर्यटकों पर हुए इस निर्मम नरसंहार की निंदा कर रही है। यह समय है जब पाकिस्तान को उसकी हैसियत बताई जाए और आतंकवाद को जड़ से खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम केवल जवाब नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसे कृत्यों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है।

शहीद सिद्धार्थ यादव के घर पहुंचे सीएम सैनी, बोले- वह होनहार पायलट थे, जाते-जाते भी बचाई सैकड़ों लोगों की जान

रेवाड़ी : 2 अप्रैल को गुजरात के जामनगर में लड़ाकू विमान जगुआर के क्रैश में शहीद हुए फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के घर बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे थे। जहां नायब सिंह सैनी ने सिद्धार्थ यादव की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर परिवार के लोगों को सांत्वना दी। इस दौरान सीएम सैनी ने कहा कि देश ने एक बहादुर बेटा खोया है, जिसने अपनी अंतिम सांस में भी देश के लोगों को बचाने का प्रयास किया। सिद्धार्थ में एक छोटी आयु में ही आकाश में ऊंचाइयों पर छलांग लगाने की ख्वाहिश थी। दुर्भाग्यपूर्ण यह घटना घटी और होनहार सिद्धार्थ यादव उस घटना में शहीद हो गए और जाते-जाते भी सैकडों लोगों की जान बचा गए।

2 अप्रैल को गुजरात के जामनगर में लड़ाकू विमान जगुआर के क्रैश में शहीद हुए फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के घर बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे थे।

सीएम नायब सैनी ने कहा कि सरकार पूर्णतया परिवार के साथ है। मांग पत्र में जो भी मांगे हैं उन्हें पूरा किया जाएगा। वहीं सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहलगाम में जो आतंकवादी हमला हुआ। वह कायरतापूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एक छोटी सोच का हमला है, लेकिन इसके पीछे बड़ी ताकते हैं। धर्म पूछ कर टारगेट करके जो घटना घटी वह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।
ताकि आने वाले समय में अगर कोई ऐसा कुकृत्य करें तो सोचने पर मजबूर हो। परिवार के लोगों की जो सहायता बन पाएगी वह हरियाणा सरकार करेगी।

हरियाणा में शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन

हरियाणा : हरियाणा में शिक्षा विभाग एक्टिव मोड़ में नजर आ रहा है। जहां रोहतक जिले के किलोई गांव में गैर मान्यता प्राप्त 4 स्कूलों में शिक्षा विभाग की तरफ से कार्रवाई की गई। नोटिस के बाद भी चल रहा था स्कूल बताया जा रहा है कि विभाग द्वारा पहले नोटिस दिया था, जिसके बाद भी स्कूल में कक्षाएं लगाई जा रही थी। इसी के चलते विभाग ने कार्रवाई करते हुए स्कूल पर ताला जड़ दिया। विभाग की तरफ से गैर मान्यता प्राप्त कई स्कूलों की लिस्ट जारी की गई थी, जिन्हें बंद किया जा रहा है। वहीं पुलिस बल किलोई गांव पहुंचा तो इन सभी चारों स्कूलों को बंद किया गया। अगर फिर से इन स्कूलों को चालू किया इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

जिसने मेरे भाई को मारा, मुझे उसका सिर चाहिए, रोते हुए CM सैनी से बोली लेफ्टिनेंट विनय की बहन

करनाल : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आंतकियों के हमले में जान गंवाने वाले नौसेना लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का बुधवार को करनाल की मॉडल टाउन शिवपुरी में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पहुंचे और विनय नरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार के साथ हरियाणा सरकार खड़ी है। हमला करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएम सैनी के सामने फूट-फूट कर रोई बहन भीड़ के बीच सीएम सैनी ने परिवार से मुलाकात की तो बहन सृष्टि की फूट-फूट कर रोने लगी और कहा कि कोई नहीं आया वहां पर, वो जिंदा था, अगर आर्मी होती तो वो बच सकता था, कोई भी नहीं आया। उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने रोते हुए कहा कि आई वॉट देम टू बी डेड (मैं चाहती हूं वो आतंकी जिंदा न रहे) जिसने मेरे भाई को मारा, मुझे उसका सिर चाहिए। इस पर सीएम सैनी ने भरोसा दिलाया। वो मरेगा जिसने मारा, न्याय जरूर मिलेगा।कायरतापूर्ण हमला, मानवता को पहुंचाया नुकसानः सीएम सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह कायरतापूर्ण हमला किया गया है, जिससे मानवता को नुकसान पहुंचाया है। जिन्होंने यह हमला किया है, वो बचेंगे नहीं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि ऐसे लोग इस प्रकार का कार्य करने का साहस न जुटा सकें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विनय नरवाल बहादुर जवान थे। परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परिवार के साथ हैं। हमला करने वालों की तलाश की जा रही है।16 अप्रैल को हुई थी शादी करनाल के सेक्टर-7 में रहने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी और अभी परिवार में खुशियों का माहौल था कि अचानक खुशियां मातम में बदल गई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कोच्चि में तैनात भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नवल जिनकी उम्र 28 वर्ष के करीब थी जो छुट्टी पर थे। विनय और हिमांशी हनीमून के लिए जम्मू-कश्मीर गए थे। मंगलवार को जब वे बैसारन घाटी में घूम रहे थे, उसी दौरान आतंकियों ने विनय पर फायरिंग कर दी। जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

ऊधमपुर में सेना के जवानों और आतंकियों के बीच गोलीबारी जारी, एक जवान बलिदान

ऊधमपुर। जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले के बसंतगढ़ में खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इस दौरान आर्तकियों और सेना के जवानों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सेना के एक बहादुर को गंभीर चोटें आईं। बाद में इलाज के दौरान सेना का जवान बलिदान हो गया। फिलहाल दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है। इलाज के दौरान हुई मौत ऊधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में वीरवार सुबह आर्तकियों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान सेना का एक जवान वीरगति को प्राप्त हो गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर की ओर से एक्स(पूर्व ट्विटर) पर इसकी पुष्टि करते हुए बताया गया कि जवान मुठभेड़ की शुरूआत में गंभीर रूप से घायल हो गया था और बाद में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।सेना को खुफिया सूचना मिली की डुडु की बिरली गली जिसे बिरली धार के नाम से भी जाना जाता है, में आर्तकियों की मौजूदगी देखी गई है। इसके चलते सेना व अन्य सुरक्षाबलों ने संयुक्त आपरेशन शुरू किया। सुबह सात बजे के करीब ऑपरेशन के दौरान आर्तकियों के साथ संपर्क स्थापित होते ही जबरदस्त फायरिंग हुई। मुठभेड़ में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे बचाने की पूरी कोशिश की गई, लेकिन वह बच नहीं सका। सेना ने बताया कि ऑपरेशन अब भी जारी है। मुठभेड़ स्थल बसंतगढ़ से 10 से 12 किलोमीटर दूर बिरली गली, बिलरी धार क्षेत्र में हुई है। बिरली धार बेहद उंचाई पर स्थित एक निर्जन है। यहां केवल ऊंचाई पर मवेशी चराने के लिए आने वाले लोग अस्थायी रूप से ढोक(कच्चे आश्रय) बनाकर रहते हैं। जहां तक पैदल रास्ता है और पहुंचने में तीन घंटों का समय लगता है। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों के घेरे में आए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन से जुड़े हो सकते हैं। उनके पास भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद मौजूद होने की प्रारंभिक जानकारी आ रही है। आर्तकियों के भारी हथियारों से लैस होने की सूचना के बाद अन्य स्थानों से अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके पर भेजा गया है।

जींद में अवैध संबंधों का खौफनाक अंजाम, 3 की मौत

जींद : अवैध संबंधों का अंजाम कितना खौफनाक हो सकता है यह जींद जिले के गांव लुदाना में देखने को मिल रहा है। अवैध संबंधों के कारण एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इसके बाद जब परिवार के लोगों ने पत्नी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी तो पत्नी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली और अब महिला के प्रेमी की मां ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस मामले में पुलिस ने 3 अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। बुधवार को थाना पिल्लूखेड़ा में लुदाना गांव के सोनू, एक मृत महिला पूजा और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। गत 26 मार्च को सुरेंद्र नामक एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हुई थी। मृतक सुरेंद्र के पिता नफे सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि पहले उनका परिवार उसके बेटे की मौत को सामान्य मौत मान रहा था और उसका दाह संस्कार कर दिया था। गांव के ही सोनू के उसके पुत्र सुरेंद्र की पत्नी के साथ अवैध संबंध हैं और इसी के चलते सोनू ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके बेटे को खेत में ले जाकर करंट लगाकर हत्या की है। सुरेन्द्र को सोनू ने फोन करके खेत में किसी बहाने बुलाया था। इन दोनों की कैमरे में खेत में जाने व देर रात अकेले सोनू के घर आने की वीडियो रिकॉर्ड है। जब सोनू के साथ इस मामले में बात की तो पहले तो वह मामला घुमाता रहा जबकि बाद में उसने खुद ही कबूल किया कि उसने ही सुरेन्द्र को खेत से गाड़ी में डालकर घर पर आटा चक्की पर लाकर डाल दिया था। जब मामला पुलिस के द्वार पहुंचा तो मृतक सुरेंद्र की धर्मपत्नी पूजा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पिल्लूखेड़ा थाना इंचार्ज इंस्पैक्टर दीवान सिंह ने कहा कि सोनू की गिरफ्तारी के बाद ही मामले में कोई खुलासा हो पाएगा। सुरेंद्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण करंट लगना और हृदय गति रुकना स्पष्ट हुआ है। पुलिस ने पूजा की मौत के बाद पूजा के भाई मदीना निवासी वीरेंद्र की शिकायत पर पूजा के जेठ और जेठानी समेत 6 लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया था।
इस मामले में तीसरी घटना कल हुई। पहली घटना के हत्या के आरोपी सोनू की मां ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस संदर्भ में पुलिस ने मृतका के पति की शिकायत पर विजय, वीरेंद्र व अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है।अवैध संबंधों का अंजाम कितना खौफनाक हो सकता है यह जींद जिले के गांव लुदाना में देखने को मिल रहा है।

करनाल पहुंचे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों से मिलकर हुए भावुक

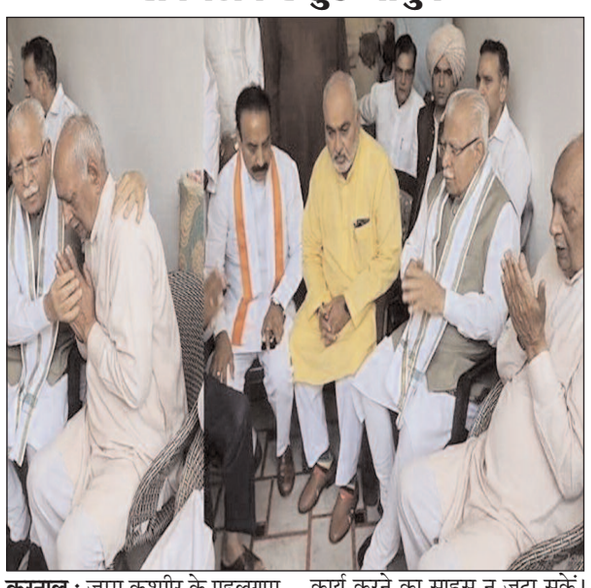

करनाल : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आंतकियों के हमले में जान गंवाने वाले नौसेना लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर आज पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल पहुंचे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल नेवी अफसर विनय नरवाल के परिवार वालों से मिलने के बाद भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुःख की बात है। हमारा नौजवान देश का सैनिक विनय आर्तकियों का शिकार हो गया। मनोहर लाल ने कहा कि इस प्रकार की हरकत हुई है, उसकी मैं घोर निंदा करता हूं। वहीं बीते दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह कायरतापूर्ण हमला किया गया है, जिससे मानवता को नुकसान पहुंचाया है। जिन्होंने यह हमला किया है, वो बचेंगे नहीं, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि ऐसे लोग इस प्रकार का कार्य करने का साहस न जुटा सकें। 16 अप्रैल को हुई थी शादी करनाल के सेक्टर-7 में रहने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की 16 अप्रैल को शादी हुई थी और अभी परिवार में खुशियों का माहौल था कि अचानक खुशियां मातम में बदल गई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कोच्चि में तैनात भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल जिनकी उम्र 28 वर्ष के करीब थी जो छुट्टी पर थे। विनय और हिमांशी हनीमून के लिए जम्मू-कश्मीर गए थे।
मंगलवार को जब वे बैसारन घाटी में घूम रहे थे, उसी दौरान आतंकियों ने विनय पर फायरिंग कर दी। जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आंतकियों के हमले में जान गंवाने वाले नौसेना लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर आज पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल पहुंचे

हरियाणा के 4 जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार, लू का Alert जारी

हरियाणा : हरियाणा में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं लू को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। अगले दिनों में गर्मी और ज्यादा बढ़ेगी।बताया जा रहा है कि बीते दिन बुधवार को 0.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया है। इधर, हिसार प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। वहीं प्रदेशभर के जिलों के अधिकतम तापमान में बदलाव दिखा। हरियाणा के अधिकतम तापमान में सबसे ज्यादा गिरावट भिवानी जिले में 2.1 डिग्री की हुई। इस भयंकर गर्मी में पशुपालकों से अपील करते हुए कहा है कि वे पशुधन को हीट-वेव यानी लू अथवा अत्यधिक गर्मी से बचाव को लेकर पशुपालन विभाग की एडवाइजरी का पालन करें।

हरियाणा रोडवेज बसों में कर्मचारी अब बगैर वर्दी दिखे तो नपेंगे, अनिल विज ने दिया अल्टीमेटम

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज के चालक-परिचालक, चेकिंग स्टाफ या फिर बस अड्डों और कर्मशाला में तैनात कर्मचारी अब अगर बगैर वर्दी के मिले तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। परिवहन मंत्री अनिल विज ने वर्दी पहनने के लिए बार-बार आदेश जारी किए जाने के बावजूद मनमानी कर रहे रोडवेज कर्मचारियों पर कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं। जिन रोडवेज कर्मचारियों को वर्दी भत्ता मिलता है, उन्हें हर हाल में वर्दी पहननी होगी। लगातार मिल रही थीं कर्मचारियों के बिना वर्दी रहने की शिकायतें परिवहन निदेशक ने सभी महाप्रबंधकों और आईएसबीटी दिल्ली के उड़नदस्ता अधिकारी को लिखे पत्र में कहा है कि परिवहन मंत्री अनिल विज के संज्ञान में आया है कि रोडवेज कर्मचारी, जिन्हें ड्यूटी के दौरान वर्दी में रहना अनिवार्य है, कार्य निर्वहन के दौरान अमूमन वर्दी में नहीं होते हैं। मुख्यालय द्वारा इस बारे में समय-समय पर हिदायतें भी जारी की गई हैं, परंतु अभी भी कर्मचारियों के बिना वर्दी रहने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं इससे प्रतीत होता है कि कर्मचारी विभाग की हिदायतों के प्रति गंभीर नहीं हैं, जिस पर परिवहन मंत्री ने भी आपत्ति जताई है। अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आपके अधीन जिन कर्मचारियों को वर्दी भत्ता मिलता है, उन्हें निर्धारित वर्दी में रहना सुनिश्चित करें। आदेश की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवार्द अमल में लाई जाएगी। वर्दी के लिए कर्मचारियों को दिए जाते हैं पैसेनियमानुसार रोडवेज के टिकट चेकिंग स्टाफ, चालक-परिचालकों, लिपिक व अन्य स्टाफ को ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना अनिवार्य है, लेकिन अधिकतर कर्मचारी सादा कपड़ों में नजर आते हैं। यह स्थिति तब है जब विभाग सभी कर्मचारियों को वर्दी के लिए भत्तों का भुगतान करता है। बस अड्डों पर तैनात स्टाफ के वर्दी में नहीं होने से जहां यात्रियों को पूछताछ सहित अन्य कार्यों में दिक्कत होती है। वहीं, बसों में चालक-परिचालक की पहचान नहीं हो पाती।
सबसे ज्यादा परेशानी रोडवेज के टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ आती है, जिसमें कर्मचारी अमूमन वर्दी नहीं पहनते। कई मामलों में तो अपनी जगह दूसरे कर्मचारियों को चेकिंग के लिए भेज दिया गया। वर्दी में ड्यूटी देने के आदेश को सख्ती से लागू करने के बाद ऐसे कर्मचारियों पर नकेल कसी जा सकेगी।

सोनीपत में बदमाशों का आतंक एनएच-44 से लूटी टैक्सी, फिर एनएच-334 बी पर शराब ठेके से 1.25 लाख व मोबाइल लूटा

सोनीपत : सोनीपत में बदमाशों ने पहले एनएच-44 से एक टैक्सी किराए पर लेने के बाद पिस्तौल दिखाकर लूट ली और फिर एनएच-334बी पर स्थित शराब ठेके से 1.25 लाख रुपये की नकदी और मोबाइल लूटकर भाग गए। बदमाशों ने ठेके के अंदर फायरिंग भी की, जिससे दहशत का माहौल बन गया। बहालगढ़ व सेक्टर-27 थाना पुलिस ने लूट के मुकदमे दर्ज कर लिए हैं।दिल्ली के नरेला स्थित पॉकेट-6 निवासी आस मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि वह अपनी कार स्विफ्ट डिजायर को ओला कंपनी के माध्यम से टैक्सी में चलाते हैं। वह बुधवार देर शाम कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर खड़े थे। उसी दौरान दो युवक आए और पानीपत तक चलने की बात कही। उन्होंने दोनों को 1500 रुपये किराया बताया तो वह चलने को तैयार हो गए। वह उन्हें लेकर चल दिए। जब वह नेशनल हाईवे-44 पर नांगल खुर्द के पास पहुंचे तो उनके साथ वाली सीट पर बैठे युवक ने कहा कि कार के रोको, एक महिला भी उनके साथ जाएगी। जिस पर उन्होंने कार को रोक दिया। इसी बीच युवक उतरकर उनकी तरफ आया और पिस्तौल तान दी। उसका साथी भी नीचे आ गया। उन्होंने उसे मारने की धमकी देकर जबरन नीचे उतार दिया। उसके बाद कहा कि उन्हें कोई वारदात करनी है। उसके बाद तेरी गाड़ी यहीं छोड़ जाएंगे। वह उनका मोबाइल भी छीन ले गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत बहालगढ़ थाना में देकर मुकदमा दर्ज कराया। लूटी गई गाड़ी में जाकर ठेके से नकदी लूटी स्विफ्ट डिजायर सवार दो युवकों ने राठधना रोड स्थित एनएच-334बी स्थित शराब ठेके पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश सतपाल एंड एसोसिएट के शराब ठेके पर पहुंचे और वहां फायरिंग की। ठेके पर सेल्समैन गांव राजपुर निवासी जितेंद्र ने बताया कि वह तथा यूपी के जिला हरदोई के गांव नवाबगंज निवासी सुरजीत सिंह ठेके पर मौजूद रहे। रात करीब नौ बजे स्विफ्ट डिजायर सवार दो युवकों ने ठेके पर आकर गाली-गलौज करते हुए पिटाई की।तभी एक बदमाश ने गोली चलाई। गोली शराब की बोतल पर जाकर लगी। बाद में बदमाशों ने वहां से करीब 1.25 लाख रुपये नकदी और मोबाइल लूट लिया।
बाद में बदमाश भाग गए।
दोनों घटनाओं की सूचना पर बहालगढ़ और सेक्टर-27 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी क्राइम यूनिट भी घटनास्थल पर पहुंचकर सुराग जुटाने में लगी दोनों वारदात एक ही गैंग की तरफ से किए जाने का अंदेशा है।

संक्षिप्त डायरी

अन्य राज्यों में पढ़ रहे जम्मू कश्मीर के छात्रों के लिए सरकार ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू -कश्मीर सरकार ने देश के अन्य राज्यों में पढ़ाई कर रहे राज्य के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अब किसी भी आपात स्थिति या आवश्यकता पडड्रे पर छात्र हैलो जेएंडके हेल्पलाइन नंबर 7303620090 पर संपर्क कर सकते हैं। यह कदम हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते तनाव और छात्रों की सुरक्षा को लेकर उठाई गई चिंताओं के मद्देनजड्र उठाया गया है। रेजिडेंट कमीशन द्वारा संचालित यह हेल्पलाइन नंबर सेवा छात्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने और उन्हें आवश्यक सहायता उपलध कराने के लिए शुरू की गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह हेल्पलाइन सातों दिन चौबीस घंटे उपलध रहेगी और छात्रों से जुड़े मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी छात्रों और उनके परिवारों से आग्रह किया है कि वे किसी भी परेशानी की स्थिति में इस नंबर पर संपर्क करने में संकोच न करें।

30 साल से फरार चल रहा खालिस्तानी आतंकी मंगत सिंह गिरफ्तार

लखनऊ/ भव्य खबर । उार प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिर तार किया है। जो करीब 30 साल से फरार चल रहा था। आरोपी मंगत पर 25 हजार रुपये का इनाम था और वह हत्या के प्रयास और आतंकवाद सहित कई मामलों में वांछित था। खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, एटीएस नोएडा इकाई और साहिबाबाद पुलिस की एक संयुक्त टीम ने मंगत सिंह को पंजाब के अमृतसर में उसके पैतृक गांव टि बोवाल से ढूंढ निकाला और बुधवार को उसे गिर तार कर लिया। एटीएस अधिकारियों ने कहा कि 1995 में जमानत पर रिहा होने के बाद मंगा भूमिगत हो गया था और तब से वह अपने ठिकाने और पहचान बदल रहा था।

14 माओवादी ने किया आत्मसमर्पण-इस साल अब तक 250 माओवादियों सरेंडर कर चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में चौदह माओवादी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आईजीपी ने कहा कि इस साल अब तक करीब 250 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 से अब तक 12 माओवादियों को गिर तार किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में पुलिस ने बताया कि माओवादियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम ऑपरेशन च्युता चलाया जा रहा था, जिसके तहत विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानने के बाद माओवादी हथियार छोडकड्ड आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले अधिकांश माओवादी पड़ोसी राज्य छीसगढ़ के हैं।

आतंकी हमले के बाद पहलगाम की सड़कें सुनसान, हर तरफ फैला सन्नाटा

पहलगाम (एजेंसी)। पहलगाम हमले का असर जम्मू-कश्मीर के टूरिज्म पर दिखने लगा है. एक दिन पहले तक पर्यटकों से गुलजार सड़कें अचानक से अब सुनसान हो गई हैं. हमले के बाद बुधवार से ही यहां न के बराबर लोग दिख रहे हैं. बस हर कहीं सुरक्षाबलों के जवान नजर आ रहे हैं. सारा का सारा बाजार बंद है. लॉकडाउन जैसा नजारा यहां देखने को मिल रहा है. पहलगाम और आस-पास के इलाकों में मंदिरों से लेकर मस्जिदें तक खाली दिख रही हैं. स्पष्ट है कि अगर यही स्थिति रही तो जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को जिसे वर्ष 2030 तक 30 हजार करोड़ की आर्थिकी बनाने का लक्ष्य रखा गया है, के शून्य पर पहुंचने का डर है. स्थानीय लोग कह रहे हैं कि यह हमला पर्यटकों पर नहीं कश्मीर की खुशहाली पर है. जम्मू-कश्मीर की कुल आर्थिकी में पर्यटन क्षेत्र की भागीदारी आठ प्रतिशत है. 2024-25 में प्रदेश की जीडीपी सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है जिसमें सबसे तेजी से पर्यटन जगत की है. मंगलवार को आर्तकियों ने बैसरन में 28 पर्यटकों को आर्तकियों ने गैर मुस्लिम होने के कारण मार दिया. आतंकी हमले में एक स्थानीय युवक भी मारा गया है. वह पर्यटकों को बचाने के प्रयास में आर्तकियों की गोली का शिकार हुआ है. बैसरन हमले के बाद पहलगाम में लगभग सभी होटल खाली हो चुके हैं. पहलगाम मे आज एक भी वाहन पर्यटकों को लेकर दाखिल नहीं हुआ है. ट्रैवल एजेंसियों का कहना है कि मंगलवार को हुए आतंकी हमले के बाद से लोगों ने जम्मू-कश्मीर के लिए 90 फीसदी बुकिंग रद्द करवा दी है. उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों ने बताया- बुधवार सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच 20 उड़ानों में 3,337 यात्रियों ने श्रीनगर से वापसी की उड़ान भरी. इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने श्रीनगर से अपनी सामान्य निर्धारित सेवाओं के अलावा कुल सात अतिरिक्त उड़ानें संचालित कीं. पहलगाम समेत जम्मू-कश्मीर में कई जगहों से पर्यटक अब घरों को लौट रहे हैं. वहीं, ऑनलाइन टूर ऑपरेटर क्लियरट्रिप की मुख्य विकास एवं व्यवसाय अधिकारी मंजरी सिंघल ने बताया- अनुमानों के अनुसार श्रीनगर के लिए उड़ान रद्दीकरण में सात गुना वृद्धि हुई है.

पाकिस्तानी रेंजर्स ने पंजाब बॉर्डर पर बीएसएफ जवान को पकड़ा

अमृतसर , (एजेंसी)। भारत से बॉर्डर सि योरिटी फोर्स (बीएसएफ) का जवान पीके सिंह गलती से बीएसएफ पोस्ट जलोके दोना के पास जीरो लाइन पार कर पाकिस्तानी क्षेत्र में चला गया। उसे सीमा पर पाक रेंजर्स ने हिरासत में लिया। जवान को हिरासत में लेने के पाकिस्तानी मीडिया ने फोटो जारी किए हैं। वहीं जमू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पंजाब में केंद्र सरकार के अटारी बॉर्डर बंद करने के ऐलान के बाद वीजा लेकर भारत आए पाकिस्तानी नागरिक अटारी चेक पोस्ट से वापस लौट रहे हैं। कोई मायके तो कोई रिश्तेदारी में आया था। भारत सरकार ने पाकिस्तान लौटने के लिए 48 घंटे का समय दिया है।

आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता, पाकिस्तान के खिलाफ कठोर फैसला ले सरकार-अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार को इस मामले में और भी कठोर फैसले लेने चाहिए थे और उनका सख्ती से पालन कराने पर भी बात करनी चाहिए थी। वहीं उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी पार्टी को ऐसी घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह देश का सवाल है। यहां के लोग मिलकर साथ रहकर दुनिया के बराबर चलना चाहते हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गुरुवार को यहां पत्रकार वार्ता में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मामले पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यादव ने कहा कि जो फैसले लिए गए हैं, उससे भी

कठोर फैसले लेने चाहिए थे। कठोर फैसले ही नहीं बल्कि उन्हें कठोरता से लागू कैसे किया जाए, इस पर भी बात हो। केवल बयान न दिए जाएं। सर्वदलीय बैठक में हम अपना यह पक्ष और सुझाव रखेंगे।

सपा प्रमुख ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता समाप्त करने के भारत सरकार के फैसले की तरफ इशारा करते हुए कहा कि सरकार ने जितने कठोर फैसले लिए हैं, उतने ही कठोर तरीके से उनका पालन भी हो क्योंकि अगर पानी को रोकना है तो उसके लिए क्या आपके पास कोई व्यवस्था है? यह बहुत लंबी प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि हम घटना की निंदा करते हैं। सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे क्योंकि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। आतंकवादी किसी धर्म के नहीं होते। उनका मुख्य मकसद यही है कि डर पैदा करें और देश तथा प्रदेश के कारोबार को रोकें। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव दिल्ली में होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे और पार्टी का पक्ष रखने के साथ-साथ सुझाव भी देंगे।

सपा मुखिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, किसी भी पार्टी को ऐसी घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह देश का सवाल है। यहां के लोग मिलकर साथ रहकर दुनिया के बराबर चलना चाहते हैं। सर्वदलीय बैठक में यह सुझाव भी हमारी पार्टी की तरफ से होगा कि सोशल मीडिया पर टारगेटेड और एनिमेशन के साथ राजनीतिक पार्टी के नेता समाज में जहर घोल रहे हैं या किसी नेता के बारे में गलत कह सकते हैं, ऐसे में यह भारत सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी चीजों को रोका जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने तंज करते हुए कहा कि हम लोगों की उम्मीद तो और भी बढ़ी थी जब नोटबंदी का फैसला हुआ था। उससे भी ज्यादा उम्मीद तब बढ़ी थी जब अनुच्छेद 370 हट रहा था, और उससे भी ज्यादा उम्मीद इसलिए बढ़ी कि सारी नियुक्तियां उन्हीं ने (भाजपा) की हैं। हर फैसला मनमर्जी से लिया गया है।

माता के श्रद्धालुओं में आई कमी, घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों और कारोबारियों में निराशा

कटड़ा । जम्मू-कश्मीर में पल-पल मौसम बदल रहा है। कटड़ा में एकाएक तेज हवा के साथ वर्षा और ओलावृष्टि शुरू हो गई। मां वैष्णो देवी मार्ग पर ओले गिरने से हल्की सफेद चादर बिछ गई। करीब एक घंटा तक ओले गिरते रहे, जिससे मां वैष्णो देवी के मार्ग, भवन परिसर और कटड़ा में जैसे हल्की सफेद चादर बिछ गई हो। इससे ठंड का अहसास भी होने लगा। मौसम के इस मिजाज के कारण दर्शन को जाने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कत हुई। मौसम के तेवर को देखकर भवन मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल के साथ श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं। फिलहाल मां वैष्णो देवी के सभी मार्ग पूरी तरह से सुचारु है, लेकिन कटड़ा-सांछीछत के बीच चलने वाली हेलीकाप्टर सेवा दिन में अधिकांश समय बाधित ही रही। बैटरी कार और केबल कार सेवा बहाल रही। करीब 20,800 श्रद्धालु भवन की ओर रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं का आना जारी था। इससे पूर्व रविवार को 30,072 श्रद्धालुओं ने माता दरबार में हाजिरी लगाई थी।

व्यापारी वर्ग में निराशा- हालांकि, छुट्टियों के खत्म होने के बाद से और मौसम में आए बदलाव की वजह से माता के दरबार में श्रद्धालुओं की कमी देखने को मिल रही है। श्रद्धालुओं में आई कमी की वजह से घोड़े-पिट्ठू, पालकी वालों के साथ-साथ व्यापारी वर्ग में निराशा देखने को मिल रही है।

केंद्र के आदेश के बाद क्या सीमा हैदर जाएगी पाकिस्तान? उठने लगे सवाल

-सीमा नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से हुई थी दाखिल, सचिन से की थी शादी

नोएडा (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने और 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने का आदेश जारी किया है। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में सीमा हैदर आई हैं। सीमा पाकिस्तान से अवैध रूप से भारत आई थी और अब ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में भारतीय युवक सचिन मीणा की पत्नी के रूप में रह रही है। सीमा हैदर नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुई थी। भारत आने के बाद सीमा ने सचिन मीणा से शादी कर ली। सीमा अब सचिन के साथ रह रही है और दोनों का एक बच्चा भी है, जिसका जन्म भारत में हुआ है। सरकार के ताजा आदेश के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या सीमा हैदर को भी भारत छोड़ना होगा? विशेषज्ञों की मानें तो मामला जटिल है। पहली बात, सरकार ने उन पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए हैं जो वैध रूप से भारत में रह रहे थे, जबकि सीमा हैदर बिना वीजा के अवैध रूप से भारत आई थीं। इसलिए यह आदेश उस पर सीधे तौर पर लागू नहीं होता। दूसरी बात सीमा अब एक भारतीय नागरिक की पत्नी है और उनके बच्चे का जन्म भारत में हुआ है, जिससे मानवीय और कानूनी पहलू इस मामले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सीमा की नागरिकता और भारत में उसके अवैध प्रवेश से जुड़ा मामला अदालत में लंबित है। सीमा हैदर के वकील एपी सिंह ने बताया कि सीमा के एक बच्ची भारत में ही पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि मर्सी पिटिशन पहले ही दाखिल की जा चुकी है और भारत सरकार से संपर्क में हैं। उनका कहना है कि सीमा अब भारत की बहू है और उसकी नागरिकता की प्रक्रिया भी चल रही है। हालांकि, बढ़ते भारत-पाकिस्तान तनाव और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 5 हजार जवान ऑपरेशन पर, 300 नक्सलियों को पहाड़ पर सुरक्षाबलों ने घेरा

बड़े नक्सल लीडरों को घेरा, तीन को किया ढेर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र की सीमा पर करीब 5 हजार जवानों ने अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। यहां स्थित करेंगट्टा, नडपल्ली, पुजारी कांकेर की पहाड़ी पर हिड़मा, दामोदर, देवा समेत कई बड़े नक्सलियों और उनकी बटालियन को घेर लिया है। इसमें करीब 300 नक्सलियों के होने की सूचना है। ऑपरेशन 12 घंटे से अधिक समय से चल रहा है। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग भी हो रही है। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं।

इंटेलिजेंस की माने तो नक्सलियों के पास पर्याप्त राशन पानी नहीं है। अगर है भी तो वो कुछ ही दिन चलेगा। तीनों राज्यों की फोर्स ने चारों तरफ से पहाड़ को घेर रखा है। अगर वे नीचे आए या फिर किसी भी राज्य की तरफ मूवमेंट किए तो उनका एनकाउंटर होना निश्चित है। इस इलाके में नक्सलियों की बटालियन नंबर 1, 2, समेत अन्य कंपनियां सक्रिय हैं। टॉप लीडर हिड़मा, देवा, विकास समेत आंध्र-तेलंगाना-महाराष्ट्र के सेंट्रल कमेटी, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, डिविजनल कमेटी मेंबर,एरिया कमेटी मेंबर,

संगठन सचिव जैसे बड़े केडर के नक्सली भी यहां मौजूद हैं।

हफ्तेभर का राशन लेकर ऑपरेशन पर फोर्स

अब तक जो इनपुट सामने आए हैं उसके आधार पर महाराष्ट्र से सी-60 कमांडोज, तेलंगाना से ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ से डीआरजी के हजारों जवान करीब सप्ताहभर का रसद सामान लेकर ऑपरेशन पर हैं। तेलंगाना की तरफ से मुलुगु का वेंकटपुरम, छत्तीसगढ़ से नम्बी, पुजारी कांकेर और उसूर नजदीक का इलाका है। यह इलाका नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा के गृहगांव पूवर्ती से 20 से 30 किमी की दूरी पर ही है। पूवर्ती से आगे रायगुडेम तक सुरक्षाबलों का कैंप स्थापित कर लिया गया है। सूत्र बता रहे हैं कि पुजारी कांकेर और नम्बी से ही नक्सलियों का रसद सामान जाता था। पहले पूवर्ती से भी आवश्यकताओं की पूर्ति होती थी, लेकिन यहां तक फोर्स पहुंच चुकी है। उधर, तेलंगाना के वेंकटपुरम से भी नक्सली अपनी जरूरतें पूरी करते हैं, लेकिन फोर्स ने इनके सप्लाई चेन को तोड़ दिया है।

चारों तरफ बिछा रखा है बारूद

कुछ दिन पहले तेलंगाना कैडर के नक्सली शांता ने एक प्रेस नोट जारी किया था। जिसमें लिखा था कि करेंगट्टा की पहाड़ी पर नक्सलियों ने सैकड़ों बम बिछा रखे हैं। पहाड़ी के चारों तरफ बारूद है। इसलिए किसी भी ग्रामीण को इस इलाके में न आने की हिदायत दी थी। वहीं नक्सलियों को कहीं न कहीं इस बात की भनक पहले ही लग गई थी कि फोर्स यहां बड़ा ऑपरेशन लॉन्च करने वाली है। इसलिए नक्सलियों ने भी पहले से ही तैयारी कर रखी है। और दृश्यष्ठ प्लांट कर ग्रामीणों को सचेत करना उनकी प्लानिंग का एक हिस्सा है।

ड्रोन और हेलिकॉप्टर से निगरानी, नक्सलियों के बंकर भी

इस पूरे इलाके में फोर्स के करीब 2 से 3 हेलिकॉप्टर घूम रहे हैं। वहीं दर्जनों ड्रोन से इलाके की निगरानी रखी जा रही है। वहीं पहाडियों की कुछ श्रृंखला ऐसी है जो 40 से 50 मीटर खड़ी है। यहां छिपने के लिए नक्सलियों ने दर्जनों बंकर बना रखे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गोधरा कांड पर सुनवाई 6-7 मई को

गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है ; दोषियों को फांसी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में 6 और 7 मई को 2002 के गोधरा कांड मामले में गुजरात सरकार और दोषियों की याचिकाओं पर सुनवाई होगी। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

बेंच ने बताया कि वह 6 और 7 मई को अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। पूरी सुनवाई में कम से कम दो हफ्ते का समय लगेगा। 6 और 7 मई को पूरे दिन सुनवाई होगी। इस दौरान किसी अन्य मामले पर तब तक सुनवाई नहीं होगी जब तक कि कोर्ट की तरफ से विशेष तौर पर नहीं कहा जाए। बेंच ने दोषियों में से एक की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े से 3 मई तक अपनी दलीलों को कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया है। दलील में दोषी पर लगे आरोपों की लिस्ट, निचली अदालतों के फैसलों का ब्योरा देना है।

27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। गुजरात सरकार ने इस मामले में 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने के हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

31 दोषियों में 11 को फांसी की सजा मिली थी

गोधरा कांड के बाद चले मुकदमों में करीब 9 साल बाद 31 लोगों को दोषी ठहराया गया था। 2011 में एसआईटी कोर्ट ने 11 दोषियों को फांसी और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में अक्टूबर 2017 में गुजरात हाईकोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को भी उम्रकैद में बदल दिया था। गुजरात हाईकोर्ट ने फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की हैं। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग करेगी, जिनकी सजा को हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया था। दूसरी तरफ कई दोषियों ने मामले में उन्हें दोषी बरकरार रखने के फैसले को चुनौती दी है।

दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए

गोधरा कांड के बाद गुजरात दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें 790 मुसलमान और 254 हिंदू थे। गोधरा कांड के एक दिन बाद 28 फरवरी को अहमदाबाद की गुलबर्ग हाउसिंग सोसाइटी में बेकाबू भीड़ ने 69 लोगों की हत्या कर दी थी। मरने वालों में उसी सोसाइटी में रहने वाले कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी शामिल थे। इन दंगों से राज्य में हालात इस कदर बिगड़ गए कि स्थिति काबू में करने के लिए तीसरे दिन सेना उतारनी पड़ी थी।

मोदी को मिली थी क्लीन चिट

गुजरात में इस घटना के समय नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे। मार्च 2002 में उन्होंने गोधरा कांड की जांच के लिए नानावटी-शाह आयोग बनाया। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज केजी शाह और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जीटी नानावटी इसके सदस्य बने। आयोग ने अपनी रिपोर्ट का पहला हिस्सा सितंबर 2008 को पेश किया। इसमें गोधरा कांड को सोची-समझी साजिश बताया गया। साथ ही नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रियों और वरिष्ठ अफसरों को क्लीन चिट दी गई। 2009 में जस्टिस केजी शाह का निधन हो गया, जिसके बाद गुजरात हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अक्षय मेहता इसके सदस्य बने और तब आयोग का नाम नानावटी-मेहता आयोग हो गया। आयोग ने दिसंबर 2019 में अपनी रिपोर्ट का दूसरा हिस्सा पेश किया।

जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल की हवा खा चुके तमिलनाडु के मंत्री सेंथल बालाजी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग केस में सेंथिल बालाजी को दी गई जमानत को वापस लेने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उन पर जमानत की शर्तों को तोड़ने का आरोप है। इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा।

न्यायमूर्ति अभय ओका की बेंच ने साफ कह दिया कि अगर जमानत पर बाहर रहना है तो मंत्री पद छोड़ना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी से कहा, हम इस आचरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे ! हम आपको एक विकल्प दे रहे हैं-आजादी या मंत्रिमंडल का पद? सेंथिल बालाजी ने सुप्रीम कोर्ट के टफ स्टैंड को देखते हुए कहा कि वह सोमवार तक अपना निर्णय लेंगे और सुप्रीम कोर्ट को सूचित करेंगे कि क्या वह मंत्री पद पर बने रहेंगे या नही? यह मामला तमिलनाडु में कथित नौकरी के बदले नकद घोटाले से जुड़ा है। न्यायमूर्ति अभय ओका ने सेंथिल बालाजी को फटकार लगाते हुए कहा कि जमानत देने का मतलब यह नहीं कि आपको पद पर बने रहने की शक्ति भी दी गई है, जिससे आप पीड़ितों को प्रभावित करें !

न्यायमूर्ति ओका ने सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी से कहा, जब वह मंत्री थे तब उनके द्वारा समझौता कराने के तरीके पर स्पष्ट टिप्पणियां दर्ज की गई थीं। हमने उन्हें वह अधिकार नहीं दिया कि वह सत्ता में लौटकर गवाहों को प्रभावित करें। सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी से कहा, 'आपका पिछला आचरण दर्शाता है कि आपने गवाहों को प्रभावित किया है और अब आप फिर से मंत्री बन गए हैं! सेंथिल बालाजी साल 2011-2016 के दौरान परिवहन मंत्री थे। तब कैश-फॉर-जॉब घोटाला सामने आया था। आरोप है कि उन्होंने नौकरी के बदले रिश्वत ली। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने इस मामले में जून 2023 में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत उन्हें गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सितंबर 2024 में 15 महीने की हिरासत और ट्रायल में देरी के आधार पर जमानत दी, लेकिन कठोर शर्तें लगाईं।

बिहार चुनाव से छह महीने पहले आए एक सर्वे ने बढ़ाई एनडीए की मुश्किलें

-नीतीश की लोकप्रियता में गिरावट...तेजस्वी सीएम पद की पहली पसंद

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में बमुश्किल छह महीने बचे हैं। बाकी तैयारियां अपनी जगह हैं, लेकिन मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार भी मैदान में नजर आने लगे हैं - और हाल के एक सर्वे की माने तो नीतीश कुमार के सामने नई चुनौतियां खड़ी होने लगी हैं। जहां उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है, वहीं तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। पहले से मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के बारे में तो लोगों को मालूम है ही, सर्वे में नये खिलाड़ी प्रशांत किशोर भी होड़ में शामिल बताये जा रहे हैं - और वो भी लोगों की पसंद के मामले में नीतीश कुमार से आगे ही चल रहे हैं।

तेजस्वी यादव का तो 2020 के चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन देखा गया। पांच साल बात भी तेजस्वी यादव ने न सिर्फ वही तेवर बरकरार रखा है, बल्कि मुख्यमंत्री पद की पसंद के मामले में वो, सर्वे के मुताबिक, नीतीश कुमार पर भी भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। सर्वे में नीतीश कुमार को लेकर जो बात सामने आई है, वो बहुत हैरान करने वाली भी नहीं है। नीतीश कुमार की लोकप्रियता में गिरावट तो 2020 में ही दर्ज की गई थी - और आखिरी चुनावी रैली में तो नीतीश कुमार ने खुद ही बोल दिया था, अंत भला तो सब भला। सुनकर बहुतों को लगा जैसे अलविदा कह रहे हों। पहले की चुनावी रैलियों में भी देखकर लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हर जगह नीतीश कुमार को संभालने की कोशिश कर रहे हों। और, नीतीश कुमार पूरी तरह सरेंडर कर चुके हों।

तेजस्वी यादव की लोकप्रियता बढ़ी

2020 के बिहार चुनाव में बहुमत के करीब पहुंच कर चूक गये तेजस्वी यादव को सर्वे में शामिल लोगों ने मुख्यमंत्री पद का सबसे पसंदीदा चेहरा बताया है। लोकप्रियता के पैमाने पर देखें तो तेजस्वी यादव फिलहाल 35.5 फीसदी लोगों की पसंद बने हुए हैं, जबकि पहले उनकी लोकप्रियता 40.6 फीसदी दर्ज की गई थी। चुनाव जीतकर बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लालू यादव हर तरकीब आजमा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी अब तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री पद की राह में रोड़े अटका दे रहे हैं। कांग्रेस ने अभी तक तेजस्वी यादव के महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को मंजूरी नहीं दी है। कांग्रेस नेताओं की पैंतरेबाजी बिहार में भी दिल्ली जैसी ही दिखाई दे रही है, जो अरविंद केजरीवाल के सत्ता गंवाने की एक बड़ी वजह बनी थी।

नीतीश कुमार लोगों की तीसरी पसंद

नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में लोगों की तीसरी पसंद बताये गये हैं। सर्वे के अनुसार, नीतीश कुमार की लोकप्रियता में 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा रही है। क्योंकि, फरवरी, 2025 में नीतीश कुमार की लोकप्रियता 18 फीसदी पाई गई थी, और अब यानी अप्रैल में 15 फीसदी रह गई है। नीतीश कुमार का आकलन तो नहीं, लेकिन प्रशांत किशोर के बारे में लोगों की राय थोड़ा हैरान करती है। हैरानी इसलिए भी होती है क्योंकि बिहार में जैसा राजनीतिक समीकरण देखा जाता है, उसमें प्रशांत किशोर मिसफिट ही माने जाते रहे हैं।

प्रशांत किशोर दूसरे पायदान पर

मुख्यमंत्री पद के पसंदीदा चेहरों की रैंकिंग में प्रशांत किशोर दूसरे पायदान पर पाये गये हैं। मतलब, नीतीश कुमार से भी एक पायदान ऊपर। मतलब, नीतीश कुमार से ज्यादा पसंदीदा मुख्यमंत्री पद के दावेदार। सर्वे के मुताबिक, प्रशांत किशोर की लोकप्रियता में करीब दो फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। पहले उनकी लोकप्रियता 14.9 फीसदी पाई गई थी, जो अब बढ़कर 17.2 फीसदी हो गई है। प्रशांत किशोर के राजनीति प्रभाव की बात करें तो काफी दिनों से वो बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं। जन सुराज यात्रा के बाद वो जन सुराज पार्टी भी बना चुके हैं - और पिछले साल हुए उपचुनावों में अपने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ा भी चुके हैं। करीब 10 फीसदी वोटों की हिस्सेदारी लेकर प्रशांत किशोर ने दस्तक तो दे ही डाली है, और बिहार में छात्रों के आंदोलन का सपोर्ट कर वो विवादों के बाद खुद की अलग छाप भी छोड़ चुके हैं - बेरोजगारी और बुनियादी समस्याओं पर बात करने के साथ ही, प्रशांत किशोर ये भी कह रहे हैं कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो इस बार छठ पर घर आने वाले युवाओं को काम के लिए लौट कर जाना नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री पद के दावेदार तो और भी हैं मैदान में

महागठबंधन की ही तरह एनडीए में भी मुख्यमंत्री पद को लेकर लड़ाई नजर आने लगी है। नये दावेदार चिराग पासवान भी लगता है होड़ में शामिल हो गये हैं। सर्वे में तो चौथे पायदान पर मुख्यमंत्री पद के दावेदार बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ही हैं, लेकिन चिराग पासवान के समर्थक कुछ ज्यादा ही उछलने लगे हैं। चर्चा थोड़ी गंभीर इसलिए हो जा रही है, क्योंकि चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा का चुनाव लडने का भी संकेत दे दिया है। फिलहाल वो केंद्र की एनडीए सरकार में मंत्री हैं। सम्राट चौधरी को बीजेपी ने नीतीश कुमार की लव-कुश समीकरण वाली राजनीति को काउंटर करने के लिए मैदान में उतारा है, तो चिराग पासवान तो नीतीश कुमार को बर्बाद करने में मोदी का हनुमान बनकर पांच साल पहले ही अपना जौहर दिखा चुके हैं।

आवारापन के बाद अब इमरान हाशमी की इस हिट फिल्म का भी आएगा सीक्वल

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की रिलीज के इंतजार में हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है। लेकिन 'ग्राउंड जीरो' के अलावा इमरान हाशमी अपनी पुरानी फिल्मों के सीक्वल को लेकर भी चर्चाओं में बने हुए हैं। पिछले दिनों इमरान हाशमी ने अपनी फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल की घोषणा की थी। जिसके बाद से ही फैंस इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हो गए। अब इमरान हाशमी ने अपनी एक और हिट फिल्म 'जन्नत' के सीक्वल को लेकर भी बात की है।

'जन्नत' के फैंस के लिए खुशखबरी

मैच फिक्सिंग पर आधारित 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' को काफी पसंद किया गया था। फैंस अभी भी इस फिल्म को पसंद करते हैं और देखते हैं। ऐसे में फैंस 'जन्नत' के भी सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में बात करते हुए इमरान हाशमी ने जन्नत के सीक्वल को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। इमरान हाशमी ने बताया कि वो जन्नत के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं और इस पर काम भी किया जा रहा है।

मजबूत स्क्रिप्ट मिलने पर ही बनेगी जन्नत 2

सीक्वल पर काम करने की पुष्टि करने के बाद अभिनेता ने कहा, टीम इसमें कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है और न ही इसे बर्बाद करना चाहती है। जब हमें लगेगा कि हमारे पास एक मजबूत और उम्दा स्क्रिप्ट है जो पिछली फिल्म की कहानी से आगे बढ़ती है, तब हम इस पर आगे बढ़ेंगे। हम सिर्फ इसके लिए सीक्वल नहीं बना रहे हैं, हम चाहते हैं कि कहानी भी बेहतर हो। तब हम इसकी घोषणा करेंगे। हम चाहते हैं कि जन्नत पहले की ही तरह अच्छे से बड़े पर्दे पर वापसी करे।

जुलाई में शुरू होगी 'आवारापन 2' की शूटिंग

कुछ दिनों पहले ही इमरान हाशमी ने 2007 में आई फिल्म 'आवारापन' के सीक्वल 'आवारापन 2' की घोषणा की थी। अभिनेता ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग जुलाई 2025 से शुरू होने वाली है। मौजूदा वक्त में स्क्रिप्टिंग चल रही है और फिल्म 3 अप्रैल 2026 को रिलीज होने की संभावना है। 25 अप्रैल को रिलीज होगी 'ग्राउंड जीरो' इमरान हाशमी अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 'ग्राउंड जीरो' 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

सोशल मीडिया प्रेशर पर बनेगी फिल्म, डिप्रेशन के चलते थैरेपी ले रहे सितारे

अभिनेत्री नुसरत भरूचा छोरी 2 को लेकर चर्चा में बनी हैं और उन्होंने संवाद कार्यक्रम में अपनी फिल्म के साथ-साथ गंभीरता से किरदार निभाने के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं।

छोरी 2 के दौरान आईं ये चुनौतियां

दरअसल, छोरी 2 में अपने किरदार को निभाने के लिए नुसरत को कई मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। उन्होंने उन चुनौतियों के बारे में भी बात की। किरदार को निभाने की चुनौतियों के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा कि छोरी और छोरी 2 में जो सबसे मुश्किल काम था, वो था एक मां का किरदार निभाना, क्योंकि मैंने रियल लाइफ में जो अनुभव किए हैं, उसे मैं पर्दे पर आसानी से निभा सकती हूं। पर्दे पर मां बनना बहुत मुश्किल था। मैं जब छोरी 2 देखती हूं तो यह देखती हूं कि क्या मैंने मां के इमोशन को ठीक से किया है। मेरे लिए वह फीलिंग बहुत जरूरी थी, इसलिए दोनों फिल्मों में वह मेहनत मेरे लिए बहुत जरूरी थी।

एक्टर्स को थैरेपी लेना बहुत जरूरी

नुसरत ने किरदारों से बाहर निकलने के बारे में बात करते हुए कहा कि छोरी और छोरी 2 के लिए मुझे और विशाल सर को काफी चर्चा करनी पड़ी। मेरी बच्ची मुझसे छिन गई है, उस इमोशन में मुझे लगातार रहना पड़ा। पूरी शूटिंग के दौरान। एक ऐसी फिल्म में घुसना और निकलना वाकई बहुत मुश्किल है। हम एक्टर्स को वाकई एक फिल्म के बाद थैरेपी लेनी चाहिए कि इन इमोशन से कैसे निकलें, ताकि हम और भी किरदारों पर ध्यान दे पाए और दूसरे इमोशन को भी अच्छे से कर पाए। खुद को हील करना बहुत जरूरी है।

सोशल मीडिया पर बनेगी फिल्म

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के जुड़े मुद्दों के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा कि मैंने यह मानती हूं कि कुछ वर्षों में हम सोशल मीडिया पर फिल्म बना रहे होंगे और उसमें सोशल मुद्दा ही होगा सोशल मीडिया की ट्रोलिंग, क्योंकि हम तब तक इस बारे में अच्छे से समझ चुके होंगे, क्योंकि सोशल मीडिया पर बहुत सी ऐसी चीजें हम देख रहे हैं कि इसकी वजह से बहुत से लोग तनाव में जा रहे हैं और जान भी ले रहे हैं। ये बहुत डरावनी चीज है।

सोशल मीडिया है एक डरावनी जगह

सोशल मीडिया का जो प्रेशर है, जो भयानक है। हम ऐसे नहीं जी सकते हैं। हम कुछ वक्त बाद ऐसी फिल्म बना रहे होंगे, जहां लोग सोशल मीडिया का प्रेशर को दिखा रहे होंगे। इस पर फिल्म बनेगी कि क्या हुआ हमारे युवाओं के साथ और खुद हमारे साथ कि हम इस दबाव को कैसे झेल पाए। यह बहुत बड़ा मॉन्स्टर है। अब तो यह आदत हो गई है कि हम लोगों को उनके नाम नहीं, उनके सोशल मीडिया हैंडल के नाम से जानते हैं। यह जगह बहुत डरावनी हो चुकी है। युथ तो परेशान हैं ही, लेकिन मैं बच्चों के लिए बहुत डरी हुई हूं, लेकिन इससे पीछा भी नहीं छुड़ा सकते। पहले बाजार जाना, सब्जी खरीदना रोज का काम था। अब हम ऑनलाइन बैठकर सब्जियां खरीदते हैं तो मार्केट कौन जाएगा? हमने अपनी जिंदगी ऐसा बना ली है, इसलिए हमें ऐसे ही यही रहना होगा, हम पीछे नहीं जा सकते।

अनुराग कश्यप पर भड़कीं पायल घोष

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर मामला बढ़ता जा रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बॉलीवुड से भाग जाना और दूर रहना एक अच्छा ऑप्शन है अनुराग कश्यप। बॉलीवुड आपके बिना खुश है, तो आप यहां से दूर रहो। कर्म बुरा होगा तो फल भी बुरा ही मिलेगा। अनुराग कश्यप के बयान पर सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाल ही रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप के विवादित बयान के बाद से ब्राह्मण समाज गुस्से में है और वह उनकी फिल्म फुले को बॉयकॉट करेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे और हमारा विरोध जारी रहेगा, अनुराग कश्यप को सबक सिखाने का काम करेंगे। बयान को लेकर लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी अनुराग कश्यप की निंदा करते नजर आए। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कश्यप को कड़ी चेतावनी देते हुए मनोज ने कहा, तुम्हारे जैसे हजारों नफरती खत्म हो जाएंगे, लेकिन ब्राह्मणों की परंपरा और गौरव अटल रहेगा। आमदनी कम हो तो खर्चों पर और जानकारी कम हो तो शब्दों पर कंट्रोल रखना चाहिए। अनुराग कश्यप तुम्हारी तो आमदनी भी कम है और जानकारी भी,

इसलिए दोनों पर कंट्रोल रखो। तुम्हारे शरीर में इतना पानी नहीं है कि ब्राह्मणों की विरासत को एक इंच भी दूषित कर पाओ। मनोज मुंतशिर ने अनुराग कश्यप को हिदायत दी, रहने के लिए दुनिया में कई अच्छी जगहें हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि औकात में रहो। ब्राह्मण समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी आलोचना की। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद शुक्रवार को अनुराग कश्यप ने इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

शाहरुख खान के साथ काम करेंगे अरशद वारसी

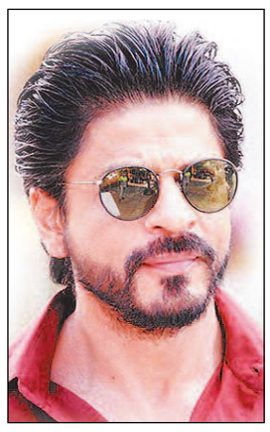

शाहरुख खान की फिल्म किंग एक वजह से सुर्खियों में है और वो है कास्टिंग। हालांकि फिल्म की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख के अलावा इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और मुंजा फेम एक्टर अभय वर्मा भी हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से एक बार फिर फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई खबरें आ रही हैं।

अरशद वारसी हुए फिल्म में शामिल?

अब खबर है कि फिल्म में एक और कलाकार की एंट्री हुई है। अब पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग की कास्ट में अरशद वारसी भी शामिल हो गए हैं। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे और उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है।

अरशद की फिल्म में शाहरुख खान ने किया था कैमियो

2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में कैमियो किया था, लेकिन दोनों ने एक साथ ऐसी कोई फिल्म नहीं की है जिसमें उन्होंने पूरी भूमिका निभाई हो। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान को मुन्ना भाई एमबीबीएस का ऑफर किया गया था, लेकिन वह इसे नहीं कर पाए, इसलिए अगर सुपरस्टार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में काम करते तो वह और अरशद असली मुन्ना और सर्किट होते।

दीपिका भी होंगी फिल्म का हिस्सा?

कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म में एक विस्तारित कैमियो करने के लिए चुना गया है। कथित तौर पर, वह फिल्म में सुहाना खान की मां और शाहरुख की पूर्व प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। हालांकि, इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक्स पर पोस्ट किया था, फॉल्स। अब सिद्धार्थ के इस ट्वीट ने यूजर्स को सोच में डाल दिया कि क्या वह दीपिका के फिल्म में अभिनय करने की खबरों का खंडन कर रहे हैं।

लव लाइफ को लेकर एक बार फिर हनी सिंह सुर्खियों में, कौन हैं रूमर्ड गर्लफ्रेंड एमा बकर?

मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के डेटिंग की अफवाहों को एक बार फिर हवा मिली है। इस बार उनका नाम मिस्र की मॉडल एमा बकर के साथ जुड़ रहा है। दरअसल, एमा के बर्थडे पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान दोनों की केमिस्ट्री देखकर नेटिजन्स ने अंदाजा लगाया कि वह एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। जानते हैं एमा बकर कौन हैं?

हनी सिंह के साथ उनके बर्थडे पार्टी में नजर आईं एमा बकर एक रनवे मॉडल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक अभिनेत्री भी हैं और हनी सिंह के कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। कथित तौर पर साल 2023 में, उन्हें रैपर के साथ देखा गया। अब सामने आए वीडियो ने उनकी डेटिंग की अफवाहों को हवा दे दी है। 25 वर्षीय मॉडल इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती हैं। यहां उनके 268च फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो यहां शेयर करती रहती हैं।

क्या है वीडियो में?

17 अप्रैल को हनी सिंह ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें एक रेस्टोरेंट में एमा के लिए सरप्राइज बर्थडे पार्टी देते हुए देखा जा सकता है। मॉडल उनके बगल में डाइनिंग टेबल पर बैठी नजर आ रही हैं। जब रेस्टोरेंट के कर्मचारी एमा के इर्द-गिर्द नाच रहे थे, तो मॉडल हनी सिंह के हाव-भाव से हैरान और अभिभूत दिखीं। उन्होंने गायक को धन्यवाद दिया। हनी सिंह ने फिर उनका हाथ कसकर पकड़ा और उन्हें जन्मदिन का केक काटने के लिए कहा। वीडियो में उनकी केमिस्ट्री साफ देखी जा सकती है। हनी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे क्लियोपेट्रा एमा।' वीडियो वायरल होने के बाद नेटिजन्स अटकलें लगाने लगे कि क्या हनी सिंह को एक बार फिर प्यार मिल गया है और क्या दोनों डेटिंग कर रहे हैं?

हनी सिंह की लव लाइफ के बारे में यह पहली बार नहीं हो रहा है जब हनी सिंह अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। इससे पहले साल 2024 में वह आईफा पुरस्कार समारोह में अभिनेत्री हीरा सोहल के साथ हाथों में हाथ डालकर नजर आए। हालांकि, दोनों अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक या सार्वजनिक घोषणा नहीं की। उन्होंने अभिनेत्री टीना थडानी को भी डेट किया, लेकिन ये रिश्ता ज्यादा नहीं चला दोनों अलग हो गए। हनी सिंह की शादी शालिनी तलवार से हुई थी। शादी के 11 साल बाद साल 2022 में दोनों ने तलाक ले लिया।

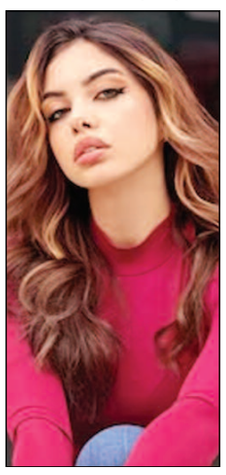

सैफ के साथ काम करना मुश्किल, कुणाल ने बताया ज्वेल थीफ की शूटिंग का अनुभव

सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की आगामी एक्शन से भरपूर हीस्ट थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ में एक चालाक चोर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म इस हफ्ते ही रिलीज होने वाली है। वहीं, तेजी से फिल्म का प्रचार भी शुरू हो चुका है। अब इस दौरान जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता हाल ही में अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में एक मजेदार बातचीत के लिए बैठे। इस दौरान कुणाल के चुटीले अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जयदीप और निकिता ने सेट पर की गई सारी मस्ती को याद किया। फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में कुणाल ने मजाक में दावा किया कि उनका अनुभव बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, अकेलापन इसलिए क्योंकि मैं फिल्म में उनके साथ नहीं हूं, मैं उनका पीछा कर रहा हूं, इसलिए मैं सेट पर अकेला था। ये लोग साथ में खूब मस्ती करते थे। सैफ के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर कुणाल ने कुछ चुटकुले सुनाए। उन्होंने मजाक में कहा, वह एक दर्द है। उसके साथ काम करना मुश्किल था। वह समय पर नहीं आते थे था और जब आते थे तो उन्हें अपनी लाइन नहीं आती थी और फिर हमें तब तक इंतजार करना पड़ता था, जब तक वह अपनी लाइन नहीं सीख लेते थे। फिर एक के बाद एक टेक।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।